दैनिक
भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

2009 से स्थापित

भीम प्रज्ञा अलर्ट

जीवन में सफलता केवल बड़े अवसरों से नहीं मिलती, बल्कि छोटे-छोटे सत्कर्म, सकारात्मक सोच और निरंतर प्रयास ही व्यक्ति को महान बनाते हैं। '

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-103 | झुंझुनू (राजस्थान) | रविवार, 8 मार्च, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार

Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

शब्दों की शक्ति : विनाश भी, उपचार भी

मनुष्य को अन्य प्राणियों से अलग पहचान देने वाली सबसे बड़ी विशेषता उसकी वाणी है। विचारों को शब्दों के माध्यम से व्यक्त करने की क्षमता ही मनुष्य को सामाजिक और संवेदनशील बनाती है। लेकिन यही वाणी यदि संयम और संवेदनशीलता से रहित हो जाए तो वह संबंधों में दरार पैदा कर सकती है। कहा भी गया है कि 'बाण से हुआ घाव भर सकता है, लेकिन वाणी से हुआ घाव अक्सर जीवन भर नहीं भरता।' यही कारण है कि शब्दों की शक्ति को समझना और उनका सही उपयोग करना आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

समाज में अक्सर यह देखा जाता है कि लोग क्रोध या आवेश में आकर ऐसे शब्द बोल देते हैं, जो सामने वाले के आत्मसम्मान को गहरी चोट पहुँचा देते हैं। तलवार से लगा घाव समय के साथ भर सकता है, लेकिन अपमानजनक शब्दों से लगा मानसिक घाव लंबे समय तक मनुष्य के मन में टीस बनकर बना रहता है। कई बार तो यही कड़वे शब्द रिश्तों के टूटने का कारण बन जाते हैं। वर्षों से बने विश्वास और अपनत्व का रिश्ता भी एक पल में बिखर सकता है। आज के दौर में जब संवाद के साधन पहले से कहीं अधिक बढ़ गए हैं–सोशल मीडिया, मोबाइल और डिजिटल प्लेटफॉर्म–तब शब्दों की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। दुर्भाग्य से कई बार इन माध्यमों का उपयोग सकारात्मक संवाद के बजाय कटुता फैलाने के लिए किया जाता है। सोशल मीडिया पर अपमानजनक टिप्पणियाँ, व्यंग्य और कटाक्ष समाज में नकारात्मकता को जन्म देते हैं। ऐसे माहौल में शब्दों का महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है, क्योंकि वही समाज को जोड़ भी सकते हैं और तोड़ भी सकते हैं।

इतिहास गवाह है कि मधुर और प्रेरणादायक शब्दों ने समाज को नई दिशा दी है। किसी नेता का प्रेरक भाषण, किसी गुरु का मार्गदर्शन या किसी लेखक की संवेदनशील रचना लाखों लोगों के जीवन में परिवर्तन ला सकती है। इसी तरह एक शिक्षक के प्रोत्साहन भरे शब्द किसी छात्र के आत्मविश्वास को बढ़ा सकते हैं और उसे जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा दे सकते हैं। यही कारण है कि कहा जाता है–मधुर वाणी केवल सुनने वाले को ही नहीं, बल्कि बोलने वाले को भी सम्मान दिलाती है। भारतीय संस्कृति में वाणी की मर्यादा और मधुरता को विशेष महत्व दिया गया है। हमारे संतों और महापुरुषों ने हमेशा मधुर वाणी का महत्व बताया है। कबीरदास ने कहा था–

'ऐसी वाणी बोलिए, मन का आपा खोय,
औरन को शीतल करे, आपहुं शीतल होय।'

इस दोहे का अर्थ यही है कि मनुष्य को ऐसी वाणी बोलनी चाहिए जो दूसरों को भी शांति दे और स्वयं को भी संतोष प्रदान करे। मधुर शब्द केवल रिश्तों को मजबूत नहीं करते, बल्कि समाज में सौहार्द और भाईचारे का वातावरण भी बनाते हैं। दूसरी ओर, कड़वे शब्द केवल व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि पूरे समाज को प्रभावित करते हैं। जब भाषा में कटुता और आक्रोश बढ़ता है, तो सामाजिक तनाव भी बढ़ने लगता है। परिवारों में झगड़े, समाज में विवाद और समुदायों के बीच दूरी–इन सबके पीछे कई बार शब्दों की कठोरता ही मुख्य कारण होती है। इसलिए वाणी पर नियंत्रण रखना केवल व्यक्तिगत गुण नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी भी है। यह भी सच है कि सत्य बोलना जरूरी है, लेकिन सत्य को भी संवेदनशील और मर्यादित भाषा में कहना चाहिए। कठोर सत्य को भी यदि विनम्रता और सम्मान के साथ कहा जाए तो वह स्वीकार्य हो जाता है। वहीं, यदि वही बात अपमानजनक तरीके से कही जाए तो वह विवाद का कारण बन सकती है। इसलिए बुद्धिमानी इसी में है कि हम अपने विचारों को व्यक्त करते समय भाषा की गरिमा और दूसरों की भावनाओं का ध्यान रखें। आज की प्रतिस्पर्धी और तनावपूर्ण जीवनशैली में लोगों के भीतर धैर्य और सहनशीलता कम होती जा रही है। छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा आना और तुरंत प्रतिक्रिया देना एक सामान्य प्रवृत्ति बनती जा रही है। ऐसे समय में आवश्यक है कि हम बोलने से पहले थोड़ा ठहर कर सोचें। यदि हमारे शब्द किसी को दुख पहुँचाने वाले हैं, तो बेहतर है कि हम उन्हें बोलने से बचें। एक समझदार व्यक्ति वही होता है जो अपनी वाणी पर नियंत्रण रख सके। संयमित और मधुर भाषा व्यक्ति के व्यक्तित्व की परिपक्वता को दर्शाती है। जो व्यक्ति अपनी वाणी में विनम्रता और संवेदनशीलता बनाए रखता है, वह समाज में सम्मान और विश्वास दोनों प्राप्त करता है।

अंततः यह समझना आवश्यक है कि शब्द केवल ध्वनि नहीं होते, वे भावनाओं और विचारों के वाहक होते हैं। वे दिलों को जोड़ने की क्षमता भी रखते हैं और तोड़ने की भी। इसलिए हर व्यक्ति की यह जिम्मेदारी है कि वह अपनी वाणी का उपयोग सकारात्मक और रचनात्मक उद्देश्य के लिए करे। जब हम अपने शब्दों में मधुरता और संवेदना को स्थान देते हैं, तो न केवल हमारे रिश्ते मजबूत होते हैं बल्कि समाज में भी प्रेम, सम्मान और भाईचारे का वातावरण बनता है। यही वह रास्ता है जो एक स्वस्थ और सभ्य समाज की नींव को मजबूत करता है। इसलिए हमें हमेशा यह याद रखना चाहिए कि हमारी वाणी में इतनी शक्ति है कि वह किसी के घाव को और गहरा भी कर सकती है और उसी घाव पर मरहम भी लगा सकती है।

राजस्थान में टल सकते हैं पंचायत चुनाव :तय नहीं हुआ OBC आरक्षण

आयोग का मुख्य सचिव को लेटर- जनसंख्या के आंकड़ों में गलती

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को पंचायत चुनाव 15 अप्रैल 2026 तक कराने के निर्देश दिए थे, लेकिन अब ऐसा होना मुश्किल लग रहा है। इसकी वजह है अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) आयोग की रिपोर्ट में देरी। दरअसल, हाल ही में आयोग ने मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास को पत्र लिखा है। इसमें कहा है कि- जनाधिकार प्राधिकरण द्वारा पिछड़े वर्ग की जनसंख्या के संबंध में उपलब्ध कराए गए नंबर अपूर्ण और त्रुटिपूर्ण हैं। इनके आधार पर पंचायतों के वार्ड पंच के लिए अन्य पिछड़ा वर्ग की सीटों का आरक्षण निर्धारित किया जाना संभव नहीं हो पा रहा है। ऐसे में सभी जिला कलेक्टर्स को निर्देश जारी किए जाए कि सही सूचना और डेटा आयोग को भिजवाएं। आयोग का यह भी कहना है कि पंचायतवार एससी/ एसटी के आरक्षण से संबंधित सूचना भी सही नहीं है। साथ में पंचायतवार जनसंख्या के स्पष्ट एवं पूर्ण आंकड़े तथा एससी, एसटी के आरक्षण के संबंध में वांछित सूचना प्राप्त नहीं हुई है। ऐसे में बड़ा सवाल है कि आयोग को अभी तक

सही सूचना नहीं मिल पाई है तो वह 31 मार्च तक सरकार को रिपोर्ट कैसे सौंप पाएगा? क्या आयोग समय की कमी का हवाला देकर सरकार से एक बार फिर कार्यकाल बढ़ाने की मांग करेगा? राजस्थान हाईकोर्ट ने 14 नवंबर को करीब 439 याचिकाओं पर फैसला सुनाते हुए राज्य सरकार को पंचायत और निकाय चुनाव 15 अप्रैल 2026 तक कराने के निर्देश दिए थे। कोर्ट ने कहा था कि इससे पहले सरकार 31 दिसंबर तक परिसीमन की प्रक्रिया पूरी करें। वहीं, एक बार परिसीमन का काम पूरा होने के बाद उसके फाइनल नोटिफिकेशन को कोर्ट में चुनौती नहीं दी जा सकेगी।

ओबीसी आयोग (राजनीतिक प्रतिनिधित्व) ने पत्र में ये लिखा

403 ग्राम पंचायतों में कुल जनसंख्या एवं अन्य पिछड़ा वर्ग की जनसंख्या शून्य दर्शाई गई है। 118 ग्राम पंचायतों में कुल जनसंख्या 1 से 500 तक दर्शाई है। 266 पंचायतों में कुल जनसंख्या 501 से 1000 तक दर्शाई गई है। जबकि पंचायतीराज विभाग के निर्देशों के अनुसार पंचायतों का गठन 1200 से अधिक की जनसंख्या पर किया गया है। इससे स्पष्ट है कि जनसंख्या के संबंध में उपलब्ध कराए गए आंकड़े अपूर्ण एवं त्रुटिपूर्ण हैं।

इन आंकड़ों के आधार पर पंचायतों के वार्ड पंच के लिए अन्य पिछड़ा वर्ग की सीटों का आरक्षण निर्धारित किया जाना संभव नहीं है। त्रुटियों का जनाधार प्राधिकण से निराकरण करवाया जाए। समस्त पंचायतों (14 हजार 403) के संबंध में पंचायतवार कुल जनसंख्या एंव पिछड़ा वर्ग की जनसंख्या से संबंधित आंकड़े उपलब्ध करवाने के निर्देश जनाधार प्राधिकरण/ पंचायतीराज विभाग को दिए जाएं।

ओबीसी आयोग को नहीं दी गई आरक्षण के संबंध में सूचना

मुख्य सचिव को लिखे पत्र में आयोग ने कहा है कि ऐसी परिस्थितियों के कारण पंचायतों में वार्ड पंच के पदों में अन्य पिछड़ा वर्ग का आरक्षण निर्धारित किया जाना संभव नहीं हो पा रहा है। पंचायतीराज विभाग को जानकारी देने के बाद भी 24 फरवरी 2026 तक आयोग को पंचायतवार जनसंख्या के स्पष्ट एवं पूर्ण आंकड़े तथा एससी, एसटी के आरक्षण के संबंध में वांछित सूचना प्राप्त नहीं हुई है। इस स्थिति को आयोग द्वारा शासन सचिव, पंचायतीराज विभाग जयपुर के ध्यान में लाया जा चुका है। किंतु 24 फरवरी 2026 तक आयोग को पंचायतवार जनसंख्या के स्पष्ट एवं पूर्ण आंकड़े तथा एससी, एसटी के आरक्षण के संबंध में वांछित सूचना प्राप्त नहीं हुई है।

भरतपुर की बेटी मानसी जाटव ने UPSC में 524वीं रैंक हासिल कर रचा इतिहास

मुढेरा गांव की होनहार प्रतिभा ने कठिन परिश्रम से पाई सफलता, युवाओं के लिए बनी प्रेरणा

भीम प्रज्ञा न्यूज़ भरतपुर।

कड़ी मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प के बल पर भरतपुर जिले के गांव मुढेरा की बेटी मानसी जाटव ने देश की सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षा में सफलता हासिल कर इतिहास रच दिया है। मानसी जाटव ने संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा में अखिल भारतीय 524वीं रैंक प्राप्त कर न केवल अपने परिवार और गांव का नाम रोशन किया है, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गर्व और प्रेरणा का स्रोत बन गई हैं। ग्रामीण परिवेश से निकलकर इतनी बड़ी उपलब्धि हासिल करना मानसी की प्रतिभा, मेहनत और दृढ़ इच्छाशक्ति का परिणाम है। उनकी सफलता की खबर मिलते ही गांव मुढेरा सहित आसपास के क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई।

परिजनों, मित्रों और ग्रामीणों ने मानसी को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मानसी जाटव की इस उपलब्धि को क्षेत्र के लोग विशेष रूप से इसलिए भी प्रेरणादायक मान रहे हैं क्योंकि सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने अपने लक्ष्य को हासिल करने का साहस और आत्मविश्वास बनाए रखा। उनकी सफलता यह संदेश देती है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत ईमानदारी से की जाए तो कोई भी सपना असंभव नहीं होता। क्षेत्र के शिक्षाविदों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने कहा कि मानसी की सफलता गांव और समाज के युवाओं के लिए एक प्रेरक उदाहरण है। इससे नई पीढ़ी को यह संदेश मिलेगा कि शिक्षा और निरंतर प्रयास से जीवन में बड़ी उपलब्धियां प्राप्त की जा सकती हैं। मानसी जाटव की इस सफलता से न केवल गांव मुढेरा बल्कि पूरे राजस्थान का नाम भी गौरवान्वित हुआ है। मानसी की यह उपलब्धि साबित करती है कि बेटियां अवसर मिलने पर हर क्षेत्र में देश का नाम रोशन कर सकती हैं।

नसीराबाद की डॉ. प्रांजल बायला ने UPSC में हासिल की 890वीं रैंक, क्षेत्र में खुशी की लहर

भीम प्रज्ञा न्यूज.अजमेर।

संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) द्वारा 6 मार्च को घोषित भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS) परीक्षा 2025 के अंतिम परिणाम में अजमेर जिले के नसीराबाद की बेटी डॉ. प्रांजल बायला ने 890वीं रैंक हासिल कर उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। डॉ. प्रांजल बायला विजय कुमार बायला (एलआईसी अधिकारी) की पुत्री और चुन्नीलाल बायला की पौत्री हैं। उनकी इस उपलब्धि से परिवार, समाज और क्षेत्र में खुशी का माहौल है। डॉ. प्रांजल बायला का स्वागत करने और बधाई देने के लिए डॉ. गुलाब चंद जिन्दल व उनकी पत्नी शकुन जिन्दल, लक्ष्मीनारायण नारनोलिया और इंदिरा नारनोलिया उनके निवास पर पहुंचे। इस दौरान प्रांजल बायला का माल्यार्पण कर और मिठाई खिलाकर स्वागत किया गया तथा उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर भारत का राष्ट्रीय प्रतीक अशोक स्तंभ स्मृति चिन्ह के रूप में भेंट किया गया। साथ ही दादा चुन्नीलाल बायला, पिता विजय कुमार बायला और माता कुसुम बायला का भी सम्मान किया गया। उल्लेखनीय है कि डॉ. प्रांजल बायला ने एम्स जोधपुर से एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी की और इसके बाद भारतीय प्रशासनिक सेवा की तैयारी शुरू की। उनके छोटे भाई आदित्य बायला भी एमबीबीएस तृतीय वर्ष में अध्ययनरत हैं। चर्चा

के दौरान डॉ. प्रांजल बायला ने बताया कि साक्षात्कार में उनसे मेडिकल पेशे से प्रशासनिक सेवा में आने के कारण, वर्तमान परिप्रेक्ष्य में भारत-पाकिस्तान संबंध, यदि वे भारत की विदेश मंत्री हों तो दोनों देशों के संबंधों को कैसे बेहतर बनाएंगी, विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) से अमेरिका के हटने के संभावित प्रभाव जैसे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विषयों से जुड़े कई सवाल पूछे गए। उन्होंने बताया कि मुख्य परीक्षा में उनका वैकल्पिक विषय मेडिकल साइंस था।

डॉ. प्रांजल बायला ने अपनी सफलता का श्रेय अपने दादा, माता-पिता के आशीर्वाद, छोटे भाई के प्रोत्साहन, गुरुजनों के मार्गदर्शन और अपनी योजनाबद्ध मेहनत को दिया। उनकी माता कुसुम बायला ने बताया कि प्रांजल पढ़ाई के साथ-साथ घर के कार्यों में भी पूरा सहयोग करती हैं। डॉ. प्रांजल बायला की रुचि लोक कला, चित्रकारी, मांडना कला और रंगोली में भी है। उन्होंने बताया कि हॉस्टल में रहने के दौरान उन्होंने अपनी सहेलियों को खाना बनाना भी सिखाया। परिवारजनों के अनुसार प्रांजल अपने दादा के स्वास्थ्य का भी विशेष ध्यान रखती हैं। डॉ. प्रांजल बायला ने कहा कि लक्ष्य को ध्यान में रखकर निरंतर मेहनत करना ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने तथागत बुद्ध के मध्यम मार्ग और डॉ. भीमराव आंबेडकर के सामाजिक समता व संवैधानिक अधिकारों के विचारों को भी प्रेरणास्रोत बताया। उनकी इस सफलता से क्षेत्र में खुशी का माहौल है और विभिन्न सामाजिक संगठनों, परिचितों व शुभचिंतकों द्वारा उन्हें बधाई देने का सिलसिला जारी है। डॉ. प्रांजल बायला की उपलब्धि युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई है और यह संदेश दे रही है कि दृढ़ संकल्प और निरंतर परिश्रम से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

भाजपा नेता दहिया ने डांगर में किया नए कक्षा-कक्षों के निर्माण का शुभारंभ

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

भाजपा नेता दहिया के मुख्य आतिथ्य में शनिवार को उनके पैतृक गांव डांगर के राजकीय विद्यालय में राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत दो नए कक्षा-कक्षों के निर्माण कार्य का विधिवत शुभारंभ हुआ। निर्माण कार्य शुरू होने से ग्रामीणों और विद्यार्थियों में हर्ष की लहर है। इस अवसर पर भाजपा नेता दहिया ने क्षेत्र में शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री का आभार व्यक्त

करते हुए कहा कि नए कमरों के बनने से विद्यार्थियों को बैठने की बेहतर सुविधा मिलेगी। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण निर्माण पर भी जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य मान सिंह डांगी, हेतराम लमोरिया, रामनिवास शर्मा, बिशनलाल गुरुजी और जय सिंह राजपूत सहित अनेक गणमान्य ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी ने इस सौगात के लिए सरकार और स्थानीय नेतृत्व का धन्यवाद ज्ञापित किया।

स्वरोजगार के लिए आगे आएं महिलाएं, 3 लाख रुपये तक ऋण दे रही है हरियाणा महिला विकास निगम: डीसी

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद/टोहाना।

रजत विजय रंगा। हरियाणा महिला विकास निगम द्वारा विधवा एवं तलाकशुदा महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से एक विशेष ऋण योजना शुरू की गई है। इस योजना के तहत महिलाओं को अपना स्वरोजगार स्थापित करने के लिए बैंकों के माध्यम से अधिकतम 3 लाख रुपये तक का ऋण उपलब्ध करवाया जाएगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए डीसी डॉ. विवेक भारती ने बताया कि जिला फतेहाबाद के लिए इस योजना के अंतर्गत 40 मामलों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि यह योजना उन विधवा और तलाकशुदा महिलाओं के लिए है जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय 3 लाख रुपये तक है तथा उनकी आयु 18 वर्ष से 60 वर्ष के बीच है। डीसी ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत कुल परियोजना लागत का 10 प्रतिशत भाग संबंधित महिला को स्वयं वहन करना होगा, जबकि शेष 90 प्रतिशत राशि बैंकों के माध्यम से ऋण के रूप में उपलब्ध करवाई जाएगी। उन्होंने बताया कि बैंक द्वारा लिए जाने वाले ब्याज की प्रतिपूर्ति हरियाणा महिला विकास निगम द्वारा अनुदान के रूप में की जाएगी। यह अनुदान अधिकतम 50 हजार रुपये तक तथा अधिकतम 3 वर्ष की अवधि तक, जो भी पहले हो, प्रदान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत महिलाएं विभिन्न प्रकार के स्वरोजगार कार्य शुरू कर सकती हैं। इनमें बुटीक, मनियारी की दुकान, कपड़ा कार्य, सिलाई-कढ़ाई, ई-रिक्शा संचालन, मसाला एवं आचार निर्माण, खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां, कैरी बैग निर्माण, बेकरी, रेडीमेड गारमेंट्स निर्माण सहित अन्य छोटे एवं लघु उद्योग शामिल हैं। इसके अतिरिक्त महिलाएं अपनी रुचि एवं क्षमता के अनुसार अन्य कोई भी व्यवसाय शुरू करने के लिए भी इस योजना का लाभ उठा सकती हैं। डीसी डॉ. विवेक भारती ने बताया कि महिलाओं को अपने व्यवसाय को सफलतापूर्वक स्थापित करने में सहायता प्रदान करने के लिए ऋण स्वीकृत होने से पहले आवश्यक प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। इससे महिलाओं को अपने कार्य के प्रति आवश्यक कौशल और व्यावहारिक जानकारी प्राप्त होगी तथा उन्हें कारोबार संचालित करने में किसी प्रकार की कठिनाई का सामना नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने जिले की पात्र विधवा एवं तलाकशुदा महिलाओं से अपील की कि वे इस योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाकर अपना स्वरोजगार स्थापित करें और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनें। उन्होंने बताया कि अधिक जानकारी के लिए इच्छुक महिलाएं हरियाणा महिला विकास निगम के जिला प्रबंधक कार्यालय, फतेहाबाद में संपर्क कर सकती हैं।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली की माताजी के निधन पर व्यक्त की शोक संवेदना

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने शनिवार को कोटपूतली-बहरोड़ जिले के ग्राम काठुवास पहुंचकर विधानसभा नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली की माताजी जी के निधन पर शोक संवेदना प्रकट की। उपमुख्यमंत्री ने स्व. चलती देवी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

उन्होंने शोक संतप्त परिजनों को सांत्वना देते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और परिजनों को यह दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की।

दांतों से जुड़ी प्रोब्लम से छुटकारा पाने के लिए फायदेमंद है ये फल

लोगों में दांत की समस्या काफी आम हो गई है. असंतुलित आहार और अनियमित सफाई से दांतों में कई तरह की परेशानियां पैदा हो जाती हैं. इस खबर में हम आपको एक ऐसे फल के बारे में बताएंगे जिसके सेवन से आप दांतों में होने वाली परेशानियों से नीजात पा सकेंगी. एक ओरल केयर संस्था का मानना है कि अगर मैन्यूफैक्ररर टूथपेस्ट और माउथवौश में ब्लूबेरी का इस्तेमाल करें तो दांतों की सेहत बनी रहेगी.

1. दांत खराब होने का खतरा कम करता है ब्लू बेरी

इस दावे से पहले ही कई वैज्ञानिकों ने माना था कि मुंह में बैक्टीरिया की गतिविधि कम करके दांत खराब होने का खतरा कम किया जा सकता है. आपको बता दें कि ब्लूबेरी जैसे फल पौलीफिनौल्स का अच्छा स्रोत होते हैं. पौलिफिनौल्स एंटीऔक्सिडेंट होते हैं जो शरीर को बैक्टीरिया के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करते हैं.

2. मुंह में बैक्टीरिया से लड़ने में मदद करता है ब्लू बेरी

कई जानकार डेंटल प्रोडक्ट के इन्ग्रेडिएंट्स में ब्लू बेरी को भी शामिल करने की मांग कर रहे हैं. विशेषज्ञों की माने तो पौलिफिनौल्स हमारे सलाइवा में चिपके रह जाते हैं और लंबे समय तक मुंह में बैक्टीरिया से लड़ने में मदद करते हैं. इसके अलावा ये शुगर फ्री होते हैं जिससे इन्हें ओरल केयर प्रोडक्ट्स में कई तरीकों से शामिल किया जा सकता है.

3. कैविटीज से मिलता है छुटकारा

शोधकर्ताओं ने मुंह के बैक्टीरिया पर क्रैनबेरी, ब्लूबेरी और स्ट्राबेरी के असर का परीक्षण किया. नतीजों में पाया गया कि ब्लूबेरी के सेवन से बैक्टीरिया की संख्या में काफी कमी देखी गई. शोधकर्ताओं का मानना है कि इन्हें कैविटीज से लड़ने में प्राकृतिक हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है. पौलिफिनौल्स हार्ट डिसीज और कैंसर से भी लड़ने में मदद करता है. इसके अलावा इसमें एंटीऔक्सिडडेंट होते हैं जो हाइड्रेशन में मदद करते हैं.

दौड़ने से पहले जरूर जानें यह बातें

शरीर को चुस्तदुरुस्त बनाए रखने के लिए कुछ लोग जिम जा कर पसीना बहाते हैं, तो कुछ घर पर ही व्यायाम करते हैं. कुछ मौर्निंग वाक करते हैं तो कुछ दौड़ लगाते हैं. यदि आप भी दौड़ कर फिट रहना चाहते हैं, तो यह एक अच्छी बात है. लेकिन दौड़ने से पहले कुछ बातें जान लेना भी जरूरी है अन्यथा दौड़ने से लाभ के बजाय हानि भी हो सकती है. चिकित्सा वैज्ञानिकों के अनुसार, रोज 1 घंटा दौड़ कर आप न केवल स्वस्थ और निरोगी रह सकते हैं, अपितु अपनी आयु को भी 3 साल तक बढ़ा सकते हैं. 18 से 100 साल की उम्र के 55 हजार लोगों के लाइफस्टाइल की स्टडी कर वैज्ञानिक इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि किसी भी ऐक्सरसाइज की तुलना में दौड़ने से क्वालिटी औफ लाइफ सब से ज्यादा बढ़ती है. इस स्टडी को लीड करने वाली अमेरिका की 'आयोवा स्टेट यूनिवर्सिटी' के प्रोफैसर डकचुल्ली के अनुसार, स्टडी में पाया गया कि दूसरी ऐक्सरसाइज करने वाले लोगों की तुलना में धावक लंबे समय तक जीते हैं. धावकों में जल्दी मौत के लिए जिम्मेदार कारणों से लड़ने की क्षमता सब से ज्यादा पाई गई.आम लोगों की तुलना में रोज दौड़ने वाले को दिल का दौरा पड़ने की आशंका भी 25त्न तक कम हो जाती है. दौड़ना फिटनैस को बढ़ाता है, जो अच्छी सेहत के प्रमुख इंडिकेटर्स में से एक है. रोज 1 घंटे दौड़ते हैं तो प्रीमैच्योर डैथ की आशंका 40प्रतिशत तक कम हो जाती है. दौड़ने से संपूर्ण शरीर के सभी अंगों का अच्छा व्यायाम हो जाता है. पैरों के अलावा हृदय, फेफड़ों आदि की भी कसरत हो जाती है और उन की कार्यक्षमता बढ़ती है.

कब करें दौड़ने की शुरुआत

विशेषज्ञों का कहना है कि मोटापा दूर करने के लिए डाइटिंग करने की नहीं, दौड़ने की जरूरत है. यदि पहले से दौड़ लगाते हैं, तो मोटापा कभी हावी होगा ही नहीं. दौड़ने से मांसपेशियां पुष्ट होती हैं तथा वे अधिक क्षमता के साथ काम करती हैं. रनिंग से पेट की मांसपेशियों का भी व्यायाम होता है. दौड़ने से डायबिटीज भी कंट्रोल में रहती है, क्योंकि इस में काफी मात्रा में कैलोरी बर्न होती है. दौड़ने से न सिर्फ आप को फिट रहने में मदद मिलती है, बल्कि इसे सब से प्रभावी अवसादरोधी के तौर पर भी देखा जा रहा है, क्योंकि 97त्न लोगों ने महसूस किया कि इस से उन की मानसिक और भावनात्मक सेहत में भी मदद मिली. इस सर्वे में 4 शहरों मुंबई, दिल्ली, बैंगलुरु और जयपुर को शामिल किया गया था. सुबह के समय दौड़ने से औक्सीजन भी ज्यादा मिलती है, जोकि फेफड़ों के लिए बहुत जरूरी है. दौड़ लगाने से रक्तसंचार तेज होता है, जिस से शरीर की कोशिकाएं पुष्ट होती हैं तथा सही ढंग से कार्य करती हैं. यदि आप कभी दौड़े नहीं हैं, तो पहली बार में ही विश्व रिकौर्ड बनाने की कोशिश न करें. शुरुआत पैदल चलने यानी मौर्निंग वाक से करें. मौर्निंग वाक में पहले सामान्य चाल से चलें, फिर तेज चाल चलने का अभ्यास करें. जौगिंग भी करें. इस के बाद जब भी दौड़ने की शुरुआत करें, उस की दूरी कम रखें और अधिक तेज गति से न दौड़ें. हर सप्ताह दूरी और दौड़ने की रफ्तार बढ़ाएं. उतना ही दौड़ें, जितना बरदाश्त हो सके. यदि असहज महसूस करें, तो दौड़तेदौड़ते रुक जाएं. थोड़ा विश्राम कर लें. याद रहे, रनिंग से पहले वार्मअप करना बहुत जरूरी है.

हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करते हैं ये पांच सुपर फूड्स

नींबू

नींबू में उच्च मात्रा में विटामिन सी होता है और ये एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है।ये बॉडी से फ्री रेडिकल्स को खत्म करता है।इसके अलावा नींबू के सेवन से ब्लड वैसल्स ? फ्लैक्सिबल और सॉफ्ट होती हैं जिससे ब्लड प्रेशर कम होता है।

दही

दही में प्रोटीन, कैल्शि यम, राइबोफ्लेविन, विटामिन बी 6 और विटामिन बी 12 काफी मात्रा में होते हैं, जो कि उच्च रक्तचाप की समस्यां को कम करते हैं और शरीर को कई प्रकार को लाभकारी अवयव मिलते हैं। दही में कैल्शियम अधिक मात्रा में पाया जाता है।

नारियल पानी

जो लोग हाइपरटेंशन की समस्या से परेशान हैं उन्हें बॉडी को हाइड्रेट रखना चाहिए।कोकोनट वॉटर में पोटैशियम, मैग्निशियम और विटामिन सी होता है जो कि ब्लड प्रेशर को कम करता है।

लहसुन

गार्लिक के यूं तो कई हेल्थ बेनिफिट्स हैं लेकिन

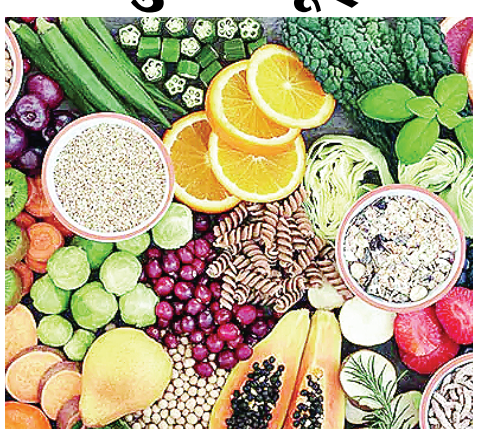

कम लोग ही जानते होंगे कि लहसुन के सेवन से आसानी से ब्लड प्रेशर कम किया जा सकता है। बैड कॉलेस्ट्रॉल लेवल को भी कम करता है।

अंडे

अंडे में विटामिन, मिनरल और कई अन्य पौष्टिक तत्व पाए जाते हैं, जो एंडोर्फिन नामक एक रसायन का उत्पाद करते है। यह रसायन हमारे दिमाग में भी पाया जाता है। जो अवसाद व दर्द जैसी समस्याओं से राहत दिलाता है।

ठंडक देने वाले 'दर्पण' वस्त्र

ठंड से बचने के लिए गर्म कपड़े बनाना तो आसान है लेकिन झुलसाती गर्मी में शरीर को ठंडा रखने वाले कपड़े बनाना मुश्किल है। और अब, वैज्ञानिकों ने ऐसा कपड़ा तैयार किया है जो दिखने में साधारण कपड़े जैसा लगता है लेकिन यह शरीर का तापमान लगभग पांच डिग्री सेल्सियस तक कम कर सकता है।

वैसे तो हम गर्मी से राहत पाने के लिए हल्के रंग के कपड़े पहनते हैं ताकि ऊष्मा कम अवशोषित हो। इसके अलावा ऐसा कपड़ा भी तैयार किया जा चुका है जो पराबैंगनी विकिरण और निकट-अवरक्त विकिरण को भी परावर्तित कर देता है। निकट-अवरक्त विकिरण का अवशोषण किसी वस्तु को गर्म कर देता है और उसका उत्सर्जन होने पर धीरे-धीरे वस्तु ठंडी हो जाती है। लेकिन शीतलन की इस प्रक्रिया में वातावरण बाधक बन जाता है- उत्सर्जित होने के बाद निकट-अवरक्त विकिरण को अक्सर आसपास मौजूद पानी के अणु सोख लेते हैं और नतीजतन वातावरण को गर्म कर देते हैं।

शीतलन को तेज़ करने के लिए शोधकर्ताओं ने निकट-अवरक्त विकिरण की जगह मध्यम-अवरक्त विकिरण का रुख किया। मध्यम-अवरक्त विकिरण की तरंग लंबाई अधिक होती है, और मध्यम-अवरक्त विकिरण आसपास की हवा में अवशोषित होने की बजाय सीधे अंतरिक्ष में बिखर जाता है। लिहाज़ा, वस्तु व उसका परिवेश दोनों ठंडे रहते हैं। पिछले एक दशक से इस तकनीक की मदद से छतें, प्लास्टिक फिल्म, लकड़ी और अति-सफेद पेंट्स बनाए जा रहे हैं।

गौरतलब है कि मानव शरीर प्राकृतिक तौर पर मध्यम-अवरक्त विकिरण का उत्सर्जन करता है। 2017 में, स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने ऐसा कपड़ा तैयार किया था जो मानव शरीर से उत्सर्जित इस मध्यम-अवरक्त विकिरण को अवशोषित करने की बजाय उसे अपने में से गुज़रने देता है, जिससे इस कपड़े को पहनने वाले के शरीर का तापमान लगभग तीन डिग्री सेल्सियस तक कम हो जाता है। लेकिन यह कपड़ा बहुत पतला - लगभग 45 माइक्रोमीटर या हल्के लिनेन के कपड़े की एक-तिहाई मोटाई का - होने पर ही काम कर सकता था। और इतना पतला होने पर संभवत: यह टिकाऊ न रहता।

टिकाऊ कपड़ा बनाने के लिए झेजियांग विश्वविद्यालय और हुआज़ोंग विज्ञान एवं टेक्नॉलॉजी विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने मध्यम-अवरक्त विकिरण वाला ऐसा कपड़ा बनाया जो मानव शरीर से उत्सर्जित ऊष्मा को अपने में से गुज़रने देने की बजाय पहले रासायनिक बंधनों की मदद से उसे अवशोषित करे

और फिर मध्यम-अवरक्त विकिरण के रूप में उत्सर्जित कर दे। 550 माइक्रोमीटर मोटाई का यह कपड़ा पॉलीलैक्टिक एसिड और सिंथेटिक फाइबर से बना है जिसमें टाइटेनियम डाईऑक्साइड के नैनोपार्टिकल्स छितरे हुए हैं। यह कपड़ा पराबैंगनी, दृश्य प्रकाश और अवरक्त प्रकाश को परावर्तित भी करता है जो पहनने वाले को और भी ठंडा रखता है। यह कपड़ा दिखने में तो आम शर्ट जैसा है लेकिन वास्तव में यह एक दर्पण है।

इस कपड़े की कारगरता जानने के लिए शोधकर्ताओं ने एक चुस्त फिटिंग वाली बनियान बनाई जिसके आधे हिस्से को दर्पण वाले कपड़े से और बाकी आधे हिस्से को उतनी ही मोटाई के सामान्य सूती कपड़े से बनाया गया था। इस तरह तैयार बनियान को एक व्यक्ति को पहनाकर एक घंटे के लिए धूप में बैठाया गया। साइंस पत्रिका में प्रकाशित नतीजों के अनुसार सामान्य सूती कपड़े की तुलना में दर्पण वाले कपड़े के नीचे की त्वचा का तापमान लगभग पांच डिग्री सेल्सियस कम था। अवरक्त कैमरे से देखने पर यह अंतर एकदम स्पष्ट था, और वह व्यक्ति भी तापमान का यह अंतर महसूस कर पा रहा था।

वैसे, मध्यम-अवरक्त उत्सर्जन तकनीक अब तक धूप में रखी स्थिर सतहों पर ही उपयोग की गई है। इसलिए यह देखना होगा कि खड़े या चलते-फिरते व्यक्ति के मामले में यह कपड़ा शरीर को कितना ठंडा रख पाता है। ढीले-ढाले साधारण फिटिंग वाले वस्त्रों पर भी जांच करनी होगी क्योंकि ठंडक पैदा करने वाले तत्वों की क्रिया तो इस बात पर निर्भर है कि वे त्वचा से कितने सटे हुए हैं।

बहरहाल यह काम विकिरण शीतलन के क्षेत्र में तेज़ी से हो रही प्रगति दर्शाता है। इस तरह के कपड़े सूती कपड़ों जैसे ही महसूस होंगे, जो उपयोगकर्ता के लिए महत्वपूर्ण है। शोधकर्ताओं का कहना है कि इस तरह के कपड़े निर्माण लागत में केवल 10 प्रतिशत की ही बढ़ोतरी करेंगे, इसलिए इन तक सबकी पहुंच संभव है। (स्रोत फीचर्स)

फलियों को सख्त खोल कैसे मिला

गुलाब से लेकर बेशरम और चावल तक के फूलदार पौधे (आवृतबीजी या एंजियोस्पर्म) पृथ्वी के सबसे विविध और सफल जीवों में से हैं। इनकी 3,50,000 से अधिक प्रजातियां सुंदर, पौष्टिक और अपने-अपने पारिस्थितिकी तंत्र के लिए महत्वपूर्ण हैं। लेकिन डारविन के समय से ही जैव विकास के अध्येताओं के लिए यह एक गुत्थी रही है कि इनका विकास किस तरह हुआ। अब अत्याधुनिक तकनीक और मंगोलिया में मिले जीवाश्मों की मदद से शोधकर्ता इसे हल करने की दिशा में आगे बढ़े हैं।

आवृतबीजी लगभग 12.5 करोड़ वर्ष पहले विकसित हुए और पूरी पृथ्वी पर छा गए। ये बीजों के माध्यम से प्रजनन करते हैं, कुछ उसी तरह जिस तरह इनके पूर्व विकसित हुए चीड़, देवदार, गिंकगो जैसे नग्नबीजी (जिम्नोस्पर्म) करते हैं। लेकिन आवृतबीजियों में बीज निर्माण में कुछ नवाचार हुए जिससे वे फैलने में अधिक सफल हुए।

इनके फूलों के केंद्र में एक नलीदार संरचना स्त्रीकेसर होती है। स्त्रीकेसर का वर्तिकाग्र पराग ग्रहण करता और उसे अंडाशय में भेज देता है, जहां बीज विकसित होते हैं। यही अंडाशय आगे जाकर फली के रूप में परिपक्व होता है। इस तरह एंजियोस्पर्म के बीजों पर दो आवरण - आंतरिक और बाहरी आवरण - बनते हैं। बाहरी आवरण जैसे मटर के दाने का बाहरी छिलका

या सेम की रंगीन सतह।

एंजियोस्पर्म का विकास जिम्नोस्पर्म से हुआ है। लेकिन यह रहस्य ही रहा है कि इनमें स्त्रीकेसर और बीज की दूसरी परत कैसे विकसित हुई। पूर्व में, चाइनीज़ एकेडमी ऑफ साइंसेज़ के जीवाश्म-वनस्पति विज्ञानी गोंगल शी और उनके साथियों को यूके, चीन और अंटार्कटिका से ऐसे जिम्नोस्पर्म के जीवाश्म मिले थे जिनके बीज कप जैसे आकार के बाहरी आवरण से ढंके थे। इन कप-नुमा बाहरी आवरण को उन्होंने कप्यूल नाम दिया और संभावना जताई कि इसी रचना से एंजियोस्पर्म में बीज के दूसरे बाहरी कवच के विकास की शुरुआत हुई होगी।

लेकिन वर्तमान में किसी भी जीवित पौधे में इस तरह के कप्यूल नहीं दिखते और शोधकर्ताओं को जो जीवाश्म मिले थे वे आंशिक रूप से सड़ चुके पौधों के थे, जिससे इनका पूरी तरह से विश्लेषण करना असंभव रहा।

इसके बाद 2015 में शोधकर्ताओं को मंगोलिया की जारूद बैनर नामक कोयला खदान से पत्थर में बहुत ही अच्छी तरह से संरक्षित दलदली पौधे का जीवाश्म मिला; इस जीवाश्म में भी कप्यूल थे। सूक्ष्मदर्शी से अध्ययन करने के लिए शोधकर्ताओं ने पत्थर को हीरे की आरी से काटा, पॉलिश किया और सतह को एसिड की मदद से तराशा ताकि जीवाश्म की छीलन तैयार की जा सके। इसके अलावा त्रि-आयामी संरचना बनाने के लिए उन्होंने कप्यूल्स का सीटी स्कैन भी किया। उन्होंने पाया कि आधुनिक एंजियोस्पर्म बीजों के बाहरी आवरण की तरह ही इस कप्यूल के ऊतक भी विकसित होते बीजों के चारों ओर लिपटे हुए थे।

कप्यूल-युक्त अन्य जीवाश्मों से इनकी तुलना करने पर शोधकर्ताओं ने पाया कि ये सभी पौधों के उस समूह में आते हैं जिनमें विभिन्न तरह के कप्यूल होते हैं। इन जीवाश्मों से न सिर्फ यह पता चलता है कि बीज में दूसरा आवरण कैसे आया, बल्कि यह भी पता चलता है कि स्त्रीकेसर कैसे विकसित हुए - इन कप्यूल्स में कुछ इस तरह की पत्तियां भी दिखाई दीं जो आगे जाकर स्त्रीकेसर में विकसित हुई होंगी। बहरहाल, इस तरह की और भी खोज और अध्ययन की ज़रूरत है। (स्रोत फीचर्स)

अमेरिका में चार बांधों को हटाने का अभियान

भारत डोगरा

वर्ष 2020 में संयुक्त राज्य अमेरिका में स्नेक नदी को यहां की सबसे अधिक संकटग्रस्त नदी घोषित किया गया। इसकी मुख्य वजह यह बताई गई है कि चार बांध बनने से इस नदी से जुड़े समस्त जीव संकटग्रस्त हो गए हैं। इस नदी के इकोसिस्टम के केंद्र में साल्मन मछली है व इसके साथ 130 अन्य जीवों का जीवन जुड़ा है। आज से लगभग 100 वर्ष पहले इस नदी में साल्मन मछली की संख्या आज से लगभग 40-50 गुना अधिक थी। इसका जीवन-चक्र बहुत खूबसूरत व रोचक था। अंडों से मछली निकलने का स्थान पहाड़ों की सहायक नदियों के अधिक ठंडे व साफ क्षेत्र में तय रहा है।

वहां से साल्मन की शिशु मछली तेज़ी से नीचे की ओर तैर कर मुख्य स्नेक नदी में आती है और फिर आगे बढ़ते हुए समुद्र में जाती रही है। मीठे पानी से खारे पानी में जाना इस मछली की वृद्धि से जुड़ा है। समुद्र में भरपूर जीवन बिताने के बाद लगभग 1500 किलोमीटर के इसी मार्ग से मछली पहले स्नेक नदी में व फिर उसी पर्वतीय ठंडे पानी वाली सहायक नदी में पहुंचती है जहां उसका जन्म हुआ था। यहां अंडे देने के बाद नया जीवन-चक्र शुरू होता है। कुछ समय बाद वह मछली मर जाती है।

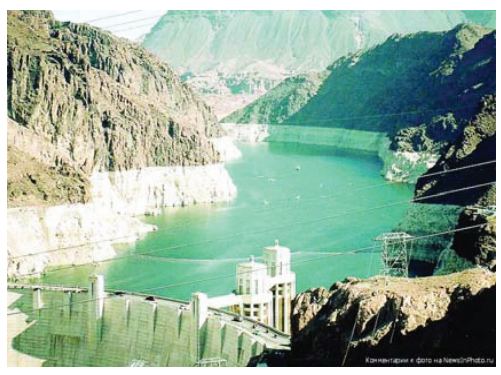

लेकिन वर्ष 1955-75 के दो दशकों के दौरान स्नेक नदी के निचले हिस्से में चार बांध बना दिए गए जिनसे साल्मन मछली का यह मार्ग व इस पर आधारित जीवन-चक्र बुरी तरह प्रभावित हो गया। मार्ग अवरुद्ध कर रहे बांधों में फंसकर नदी से समुद्र की ओर जाने वाले लाखों साल्मन शिशु मरने लगे। वर्ष-दर-वर्ष यह जारी रहने से साल्मन की अनेक प्रजातियां बुरी तरह संकटग्रस्त हो गईं व इनके साथ इस इकोसिस्टम के अन्य जीव भी संकटग्रस्त हो गए। कुछ समय पहले यहां के मूल निवासियों ने सबसे पहले साल्मन की रक्षा व इकोसिस्टम संरक्षण की मांग अधिक संजीदगी से उठानी आरंभ की व इसके लिए चारों बांधों को हटाने की मांग रखी। इन मूल निवासियों ने कहा कि उनका अपना जीवन भी नदी व इस मछली की रक्षा से जुड़ा है। इस मांग को कुछ पर्यावरण संगठनों व स्थानीय नेताओं का समर्थन भी मिला तो इसने ज़ोर पकड़ा। इससे पहले इसी देश की एलव्हा नदी पर साल्मन व नदी की इकोसिस्टम की रक्षा के लिए दो बांध हटाए गए थे व इसी आधार पर स्नेक नदी से भी चारों बांध हटाने की मांग रखी गई।

दूसरी ओर कुछ लोगों ने कहा है कि उनके लिए बांधों से मिलने वाली बिजली अधिक ज़रूरी है। इसके जवाब में बांध हटाने की मांग रखने वालों ने ऊर्जा व कृषि विकास की वैकल्पिक राह सुझाई है। आगे व्यापक सवाल यह है कि नदियों के इकोसिस्टम, उनमें रहने वाले जीवों की रक्षा के लिए पहले से बने बांधों को हटाने की मांग विश्व के अन्य देशों में कितना आगे बढ़ सकती है। कई वैज्ञानिकों व पर्यावरणविदों का मानना है कि यदि बांध से गंभीर क्षति होती है तो इसे हटाना उचित है। पर अभी अधिकांश सरकारें इस पर समुचित ध्यान नहीं दे रही है। उम्मीद है कि भविष्य में इस प्रश्न पर अधिक खुले माहौल में विचार हो सकेगा व जिस तरह के प्रयास आज स्नेक नदी के संदर्भ में हो रहे हैं उनसे ऐसा खुला माहौल बनाने में मदद मिलेगी। (स्रोत फीचर्स)

खांडल विप्र सभा की बैठक में मनोज माटोलिया सर्वसम्मति से अध्यक्ष नियुक्त

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

शहर के सूरजगढ़ मोड़ स्थित आदर्श सेवा प्रतिष्ठान में शनिवार को खांडल विप्र सभा की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह बैठक प्रदेश स्तरीय संचालन समिति, राजस्थान प्रादेशिक खांडल विप्र संगठन जयपुर द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार आयोजित की गई। बैठक में समाज के विभिन्न परिवारों के प्रतिनिधियों और गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही। बैठक के दौरान निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न कराई गई, जिसमें निर्वाचन अधिकारी पंकज शर्मा ने वार्ड नंबर 13 निवासी मनोज माटोलिया को सर्वसम्मति से खांडल विप्र सभा का अध्यक्ष घोषित किया। उपस्थित समाजजनों ने सर्वसम्मति से उनका समर्थन करते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी। अध्यक्ष के चयन के दौरान खांडल विप्र सभा के निर्वाचन अधिकारी सुरेश शर्मा रूंथला (जयपुर), पंकज रूंथला, शिवकुमार बोचीवाल तथा रामकरण चोटियां (महंत ब्राह्मणों की ढाणी) सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। बैठक में समाज के कई सदस्य भी उपस्थित रहे, जिनमें पवन शर्मा नवहाल, भजनलाल माटोलिया, शुभराम शर्मा, आनंद चोटियां, राकेश सुंदरियां, राजेंद्र डिडवानिया, जितेंद्र चोटियां, दामोदर सुंदरियां, काशीराम सुंदरियां और कृष्ण नवहाल सहित अन्य लोग शामिल थे।बैठक के दौरान समाज के संगठन को मजबूत बनाने, आपसी सहयोग बढ़ाने और सामाजिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने को लेकर भी चर्चा की गई। उपस्थित लोगों ने नए अध्यक्ष को शुभकामनाएं देते हुए समाज हित में सक्रिय रूप से कार्य करने की अपेक्षा जताई।

छतरगढ़ की बेटी ट्विंकल अरोड़ा ने UPSC में हासिल की 91वीं रैंक, क्षेत्र में खुशी की लहर

भीम प्रज्ञा न्यूज.खाजूवाला/छतरगढ़।

क्षेत्र की होनहार बेटी ट्विंकल अरोड़ा ने संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) 2025 की परीक्षा में शानदार सफलता हासिल करते हुए अखिल भारतीय स्तर पर 91वीं रैंक प्राप्त कर पूरे राजस्थान और अपने क्षेत्र का नाम रोशन किया है। ट्विंकल अरोड़ा छतरगढ़ निवासी नारायण दास अरोड़ा की पुत्री हैं। उनकी इस उपलब्धि से परिवार, गांव और पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। ट्विंकल की इस सफलता की खबर मिलते ही क्षेत्रवासियों ने मिठाई बांटकर खुशी जताई और उन्हें बधाइयां दीं। लोगों ने कहा कि ट्विंकल की यह उपलब्धि क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणादायक है। ट्विंकल अरोड़ा की प्रारंभिक शिक्षा कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में हुई, जहां उन्होंने मेहनत और अनुशासन के साथ पढ़ाई की। इसके बाद उन्होंने उच्च शिक्षा के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया। दिल्ली विश्वविद्यालय के शैक्षणिक वातावरण ने उनके सपनों को नई दिशा दी और उन्होंने लगातार मेहनत कर यूपीएससी जैसी कठिन परीक्षा में सफलता हासिल की।

ट्विंकल ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता के सहयोग, विश्वास और मार्गदर्शन को दिया है। उन्होंने कहा कि परिवार के समर्थन और अपनी मेहनत के बल पर ही यह उपलब्धि संभव हो पाई है। एक साधारण पारिवारिक पृष्ठभूमि से निकलकर देश की सबसे प्रतिष्ठित परीक्षा में सफलता प्राप्त करने वाली ट्विंकल अरोड़ा आज क्षेत्र के युवाओं के लिए मिसाल बन गई हैं। उनकी इस उपलब्धि से यह संदेश मिला है कि दृढ़ संकल्प, निरंतर मेहनत और सकारात्मक सोच के साथ किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।परिजनों और क्षेत्रवासियों ने ट्विंकल अरोड़ा को इस शानदार सफलता पर हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। लोगों को उम्मीद है कि ट्विंकल एक कुशल प्रशासनिक अधिकारी के रूप में देश और समाज की सेवा में महत्वपूर्ण योगदान देंगी।

छतरगढ़ की बेटी ट्विंकल अरोड़ा ने UPSC में हासिल की 91वीं रैंक, क्षेत्र में जश्न का माहौल

भीम प्रज्ञा न्यूज.खाजूवाला/छतरगढ़।

'प्रतिभा संसाधनों की मोहताज नहीं होती' इस कहावत को छतरगढ़ की होनहार बेटी ट्विंकल अरोड़ा ने सच कर दिखाया है। छतरगढ़ निवासी नारायण दास अरोड़ा की पुत्री ट्विंकल अरोड़ा ने संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) 2025 की परीक्षा में अखिल भारतीय स्तर पर 91वीं रैंक हासिल कर अपने क्षेत्र का नाम रोशन कर दिया है। उनकी इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है। ट्विंकल की इस ऐतिहासिक सफलता के पीछे उनकी कड़ी मेहनत, अनुशासन और दृढ़ संकल्प का बड़ा योगदान रहा है। उनकी प्रारंभिक शिक्षा महारानी किशोरी देवी विद्यालय से हुई, जहां उन्होंने लगन के साथ पढ़ाई की और अपने भविष्य की मजबूत नींव रखी। इसके बाद उन्होंने उच्च शिक्षा के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया। दिल्ली विश्वविद्यालय के शैक्षणिक माहौल और लगातार मेहनत ने उनके सपनों को नई दिशा दी और उन्होंने यूपीएससी जैसी कठिन परीक्षा में शानदार सफलता हासिल की।

ट्विंकल के चयन की खबर मिलते ही छतरगढ़ क्षेत्र में जश्न का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों, सामाजिक और राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने उनके घर पहुंचकर बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की कामनाएं कीं। इस दौरान पारंपरिक तरीके से उन्हें साफा पहनाकर सम्मानित किया गया और मिठाई बांटकर खुशी का इजहार किया गया। ट्विंकल अरोड़ा ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता के विश्वास, सहयोग और मार्गदर्शन को दिया है। उन्होंने कहा कि परिवार के समर्थन और अपनी निरंतर मेहनत के बल पर ही यह मुकाम हासिल करना संभव हो पाया है। एक साधारण पृष्ठभूमि से निकलकर देश की सर्वोच्च प्रशासनिक सेवाओं में स्थान प्राप्त करने वाली ट्विंकल अरोड़ा आज क्षेत्र के युवाओं, विशेष रूप से बेटियों के लिए प्रेरणा बन गई हैं। उनकी सफलता यह संदेश देती है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत ईमानदारी से की जाए तो किसी भी ऊंचाई को हासिल किया जा सकता है। क्षेत्रवासियों ने ट्विंकल अरोड़ा को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और उम्मीद जताई कि वे एक सक्षम प्रशासनिक अधिकारी के रूप में देश और समाज की सेवा में महत्वपूर्ण योगदान देंगी।

रैफल्स विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का भव्य आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । रैफल्स विश्वविद्यालय, नीमराना में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस बड़े उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि . जस्टिस डॉ. मीना वी. गोम्बर, चेयरपर्सन, गोम्बर एजुकेशन फाउंडेशन रहीं। उन्होंने अपने संबोधन में शिक्षा, जागरूकता और समाज में समान अवसरों के माध्यम से महिलाओं के सशक्तिकरण के महत्त्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर प्रोफ. डॉ. आर. एस. सांगवान, प्रेसिडेंट, रैफल्स यूनिवर्सिटी, ने भी उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया और लैंगिक समानता, नेतृत्व तथा समावेशी विकास को बढ़ावा देने में शैक्षणिक संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. प्रीति राज ने 'गिव टू गेन' विषय पर अपने विचार प्रस्तुत करते हुए प्रतिभागियों को समाज में सकारात्मक योगदान देने तथा व्यक्तिगत और व्यावसायिक सफलता प्राप्त करने के लिए एक-दूसरे का सहयोग करने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यक्रम में रजिस्ट्रार, डीन अकादमिक, रिसर्च डायरेक्टर, विभिन्न स्कूलों के डीन, प्राचार्य, विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्य, कर्मचारी और विद्यार्थियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों द्वारा महिला सशक्तिकरण और सामाजिक जागरूकता से संबंधित विषयों पर पोस्टर प्रस्तुति भी प्रदर्शित की गई। कार्यक्रम का सफल आयोजन डॉ. दीपिका मिश्रा के संयोजन में किया गया, जबकि डॉ. प्रीति राज सह-संयोजक रहीं। आयोजन समिति के अन्य सदस्यों में डॉ. मनीष कुमार रावत, डॉ. हरलीन कौर, डॉ. सुधीर शामिल रहे, जिनके संयुक्त प्रयासों से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

महिला अधिकारिता विभाग ने चलाया जागरुकता अभियान, महिलाओं और बालिकाओं को दी सुरक्षा की जानकारी

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । ब्लॉक नीमराना की ग्राम पंचायत रैवाणा के राजकीय शहीद मुरारीलाल उच्च माध्यमिक विद्यालय में शनिवार को अंतराष्ट्रीय महिला सप्ताह के तहत महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा व सरंक्षण को लेकर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महिला अधिकारिता विभाग की ओर से किया गया, जिसमें सहायक निदेशक महिला अधिकारिता विभाग कोट्युतली बहरोड के निर्देशानु?सार पर्यवेक्षक मुनेश कुमारी यादव ने महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा की जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान ग्राम साथिन हंसा, विद्यालय स्टाफ और छात्राएं मौजूद रही। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करना और उन्हें सुरक्षा के प्रति सचेत करना था।

तिबारा हनुमान मंदिर में सुंदरकांड पाठ, निकली भव्य ध्वज यात्रा; जय श्रीराम के जयकारों से गूंजा नीमराना

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । नीमराना कस्बे में राजकीय सीनियर सेकेंडरी विद्यालय के पास स्थित चर्चित तिबारा वाले हनुमान जी महाराज के मंदिर में शनिवार को श्रद्धा और उत्साह के साथ संगीतमय सुंदरकांड पाठ एवं भव्य ध्वज यात्रा का आयोजन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और पूरे कस्बे में जय श्रीराम के जयकारों से माहौल भक्तिमय हो गया। बताया गया कि चर्चित तिबारा, जो कागजों में वक्फ बोर्ड का प्रकरण रहा है, उसमें हाफिज नूरुद्दीन बनाम राजस्थान सरकार मामले में सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट नीमराना ने दिसंबर 2024 में प्रस्तुत इजराय आदेश में वक्फ की दलीलों को खारिज करते हुए क्षेत्रवासियों और सर्व समाज को बड़ी राहत दी थी। इसी खुशी और श्रद्धा के भाव के साथ यह धार्मिक आयोजन किया गया। ध्वज यात्रा की शुरुआत बाबा शिव स्वरूप महाराज मंदिर से हुई। यात्रा नीमराना सरकारी अस्पताल, कृष्ण टावर, मोती झील, होली टीबा और गरवान सिद्ध मंदिर सहित कस्बे के विभिन्न मुख्य मार्गों से होती हुई बाजार मार्ग से तिबारा वाले हनुमान मंदिर पहुंची। इस दौरान श्रद्धालु हाथों में भगवा ध्वज लिए डीजे की धुन पर 'जय सियाराम' और 'जय श्रीराम' के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़ते रहे। तिबारा हनुमान मंदिर में सुंदरकांड पाठ, निकली भव्य ध्वज यात्रा; जय श्रीराम के जयकारों से गूंजा नीमराना मंदिर पहुंचने के बाद विष्णु सोनी एंड पार्टी द्वारा रविंद्र शर्मा और योगेश शर्मा के नेतृत्व में संगीतमय सुंदरकांड पाठ किया गया। सुंदरकांड के दौरान भगवान श्रीराम के भजनों और कथा व्याख्यान से श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। कार्यक्रम के समापन पर श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर पंडित योगेश वशिष्ठ ने विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना करवाई। कार्यक्रम में समाजसेवी रविंद्र यादव, सामाजिक कार्यकर्ता कर्मपाल सिंह चौहान, जीतू यादव डवानी, गुलशन भारद्वाज, अनिल शर्मा, मोनू सोनी, भवानी योगी, भाजपा मंडल अध्यक्ष राकेश खंडेलवाल, सोनू यादव, हितेश यादव, सतवीर महाराज, भीम सिंह सोनी, डॉ. राजपाल यादव, मुकेश जांगिड़, एडवोकेट बृजेश शर्मा, सतीश गुर्जर, नब्बा राम गुर्जर, मंगत सिंह पंडित, राजवीर यादव मास्टर, लक्ष्मण सिंह चौहान, फौजी हनुमान प्रजापत, पार्षद प्रदीप योगी, किशनलाल योगी सहित अनेक गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

बेटियां नहीं किसी से कम: मधु की बिंदोरी ने दिया 'बेटा-बेटी एक समान' का संदेश

बिसलानिया परिवार ने तोड़ी रूढ़िवादी परंपराएं; बेटी को घोड़ी पर बिठाकर धूमधाम से निकाली बिंदोरी

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

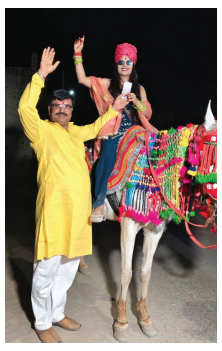

समाज में बेटा और बेटी के बीच के अंतर को समाप्त करने और 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' के संकल्प को जीवंत करते हुए वार्ड 40 निवासी राकेश शर्मा बिसलानिया ने शनिवार को एक सराहनीय मिसाल पेश की है। उन्होंने अपनी सुपुत्री मधु शर्मा के विवाह से पूर्व उसे घोड़ी पर बिठाकर भव्य बिंदोरी निकाली। इस दौरान पूरे परिवार ने नाचते-गाते हुए यह संदेश दिया कि आज की बेटियां किसी भी क्षेत्र में बेटों से कम नहीं हैं। डीजे की शानदार धुन और बैंड-बाजे के साथ निकली इस बिंदोरी में मधु शर्मा को घोड़ी पर सवार देख हर कोई उत्साहित नजर आया। पिता राकेश शर्मा और दादाजी ओमप्रकाश शर्मा ने कहा कि बेटी घर की लक्ष्मी होती है और उसे वह हर सम्मान मिलना चाहिए जो एक बेटे को मिलता है। इस दौरान परिवार के सदस्यों और मित्रों ने जमकर नृत्य किया और खुशियाँ मनाईं। इस यादगार बिंदोरी में परिवार के पुरुष सदस्यों में चाचा संजय शर्मा, भाई मोहित, अंकित, आयुष, रजत, रवि, दीपक, नवीन, अमित, योगेश, हर्ष, लक्की, आशु सहित राजू सैनी, उमराव, सोनू, रणजीत (जड़िया ट्रांसपोर्ट) और लक्ष्य दूल्हा हाउस का विशेष सहयोग रहा। वहीं, महिला शक्ति ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। दादी निर्मला, माँ प्रेमलता, बुआ सिलोचना, संतोष, राजबाला, ममता, मुकेश और बहनों में मोनिका, रितिका, ज्योति, पूजा, मोनू व बुलु ने मंगल गीत गाए। मौसी कृष्णा, शर्मिला, सुमन और भाभी पूजा, लक्ष्मीता व संगीता ने भी इस उत्सव को खास बनाया। कार्यक्रम में फूफा रामनिवास, सज्जन, महावीर, महेंद्र और लालचंद सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

घीलौट की पहाड़ी पर बाबा कुंदनदास महाराज मंदिर में भंडारा व सांस्कृतिक संध्या, श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । नीमराना उपखंड क्षेत्र के घीलौट गांव की पहाड़ी पर स्थित बाबा कुंदनदास महाराज मंदिर प्रांगण में शनिवार को भंडारा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर बाबा के दरबार में मत्था टेका और प्रसादी ग्रहण की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दीपक सिंह रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला पार्षद वेद प्रकाश खबरी, मरुधर विशेष न्यूज़ पेपर के नेशनल हेड एवं पूर्व उपनिदेशक आयुष विभाग डॉ. जलदीप पथिक, कोऑपरेटिव अध्यक्ष सुनील सिंह, पंचायत समिति सदस्य रविंद्र कुमार खींची, अजीत सिंह चौहान उर्फ पप्पू ठेकेदार तथा पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष राकेश चौहान उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता घीलौट सरपंच परमानंद यादव ने की। इस अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में कलाकार जयवीर भाटी, नरेश नगर, सुरेंद्र भाटी, दीपा चौधरी, भारतीय चौधरी एवं अनु चौधरी ने भक्ति और लोकगीतों की मनमोहक प्रस्तुतियां देकर माहौल को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम के दौरान पूर्व सरपंच मेहताब सिंह चौहान की ओर से भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। इस अवसर पर राजेंद्र ठेकेदार, वीरेंद्र हवलदार, मिंटू, कृष्ण यादव, धीरसिंह सिंघल, पूर्व शिक्षा उपनिदेशक लक्ष्मण प्रसाद, होशियार सिंह, उदय सिंह, पवन सैन सहित अनेक गणमान्य नागरिक व ग्रामीण श्रद्धालु उपस्थित रहे।

महिला को बराबरी का हक अपने घर से देना शुरू करें- पूर्व तहसीलदार मंगल चन्द सैनी

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । प्रति वर्ष 8 मार्च को विश्व भर में महिला दिवस इसलिये मनाया जाता है कि उन्हें सामाजिक, आर्थिक सांस्कृतिक व राजनैतिक स्तर पर बराबरी का दर्जा मिले। लैंगिक असमानता दूर करने व अपने अधिकारों को जानने का अवसर मिले ।किन्तु यह दिवस एक औपचारिकता मात्र बन कर रह गया है विभिन्न संस्थाओं प्रतिष्ठानों शिक्षण संस्थानों में उनके अधिकारों का बखान कर इसकी इतिश्री कर ली जाती है। अधिकृत रूप से संयुक्त राष्ट्र संघ ने 1975 में इस दिवस को मान्यता दी थी । 51 वर्ष बीत जाने पर भी पुरुष प्रधान समाज में महिलाओं को उनका बराबरी का दर्जा देना दु:स्वप्न बन कर रह गया है ।घर कार्यालय और समाज में पितृ सत्तात्मक सोच असमान वेतन कम शिक्षा और हिंसा ये ही प्रमुख कारण हैं जिनको दूर करने के लिए महिला दिवस मनाने की संकल्पना की गई थी किंतु कौन नहीं जानता कि घर में बेटी के बजाय बेटे की शिक्षा पर ध्यान दिया जाता है घरेलू कार्य में लगा दिया जाता है खाने पीने में भेदभाव किया जाता है ।कार्यस्थलों पर कम वेतन ,वरिष्ठ पदों पर महिलाओं की कम पहुंच, स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति महिलाओं के लिए उदासीनता, कन्या भ्रूण हत्या हिंसा देह शोषण दुर्व्यवहार, बाल विवाह आदि कारण हैं जो महिलाओं को बराबरी का हक देने में बाधाएँ हैं । आये दिन सुनते हैं कि महिला अपनी तीन बेटियों के साथ तालाब में कूद गई। अधिक बेटियां होने पर घर से निकाल दिया जाता है,शराबी पति की हिंसा से प्रताड़ित होकर महिला ने खुदकुशी की, शादी का वादा कर मुकर गया ऐसी ही खबरें हैं जो आनी बंद हो जायेंगी तब माना जाएगा कि महिलाओं के साथ भेदभाव में कमी आयी है। अस्तु !दिखावा या महिला दिवस पर भाषण झाड़ने के बजाय प्रत्येक पुरुष यदि अपने घर से सुधार की शुरुआत करे। तो ऐसे आयोजनों की आवश्यकता ही नहीं रहेगी?।

पशु चिकित्सालय क्रमोन्नत पर शेखसर और कुमास के नागरिकों ने पुर्व सांसद नरेन्द्र कुमार खिचड का किया अभिनंदन

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । विधानसभा क्षेत्र मंडावा के गांव शेखसर में बजट घोषणा में पशु चिकित्सालय को क्रमोन्नत करने की घोषणा पर आज शेखसर और कुमास के नागरिकों ने पुर्व सांसद नरेन्द्र कुमार खिचड का माला व साफा पहनाकर अभिनंदन कर आभार व्यक्त किया। राहुल कुमास ने बताया कि शेखसर में पशु चिकित्सालय को क्रमोन्नत करने से शेखसर पंचायत के किसान व पशुपालकों को एक बहुत बड़ी सौगात मिली है, जिसको लेकर ग्रामीणों ने पूर्व सांसद नरेंद्र कुमार खीचड़ का अभिनंदन कर आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष महावीर ढाका,पंचायत समिति सदस्य राहुल कुमास,सरपंच प्रतिनिधि महेश पुनिया, डॉ सुरेन्द्र पुनिया,रणधीर डुडी, रामपाल डुडी,विजय कुमार, मांगीलाल भाटिया, अमरसिंह डुडी,सुबे.सब्बीर खान, तालिब खान , विकास डुडी, सुधीर शेखसरिया, केशरदेव डुडी कुरड़ाराम, अमित डुडी,आरिफ खान, राजवीर सिंह शेखावत, पवन शेखावत रामचंद्र सिंह,मान सिंह, चन्द्रपाल सिंह पवन पुनिया, सुमेर पुनिया, सांवरमल कुमावत सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित थे।

रामलीला मंचन के वरिष्ठ कलाकार ओमप्रकाश शर्मा के निधन से छाया शोक

भीम प्रज्ञा न्यूज.सूरजगढ़।

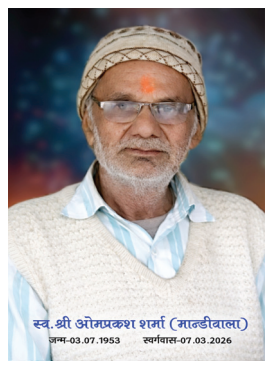

क़स्बा निवासी रामलीला मंचन के वरिष्ठ कलाकार और परशुराम के रूप में विख्यात ओमप्रकाश शर्मा के आकस्मिक निधन के बाद क्षेत्र में शोक की लहर छा गई। जानकारी के अनुसार ओमप्रकाश शर्मा पिछले कुछ समय से बीमार चल रहे थे। शुक्रवार को तबियत ज्यादा बिगड़ने पर उन्हें झुंझुनू भर्ती करवाया गया था। झुंझुनू में हालत काबू में नहीं आने पर उनको जयपुर रेफर किया गया। रात्री को जयपुर एसएमएस हॉस्पिटल में ईलाज के दौरान उनका निधन हो गया। शनिवार को सूरजगढ़ में उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनके बड़े पुत्र अनिल शर्मा ने उनको मुखाग्नी दी। ओमप्रकाश शर्मा की अंतिम यात्रा में स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ आमजन ने भाग लिया। शर्मा अपने पीछे पुत्र पवन शर्मा (पत्रकार) चाचा जीवनराम,भाई बनवारीलाल, सुरेश, सुशील, संतोष,आशीष, मनीष,भतीजा संदीप, अनूप, आनंद, अमित,सुमित, अनुज सहित नैतिक, वेहान, जन्मजेय, शौर्य, हर्षित,सुंदर ढोलू,दिव्यांश सहित भरा पूरा परिवार छोड़ कर गए है। रामलीला मंचन के अन्य वरिष्ठ कलाकार पालीराम मुंशी ने बताया की ओमप्रकाश शर्मा श्रीरामलीला कमेटी वरिष्ठ कलाकारों में शुमार थे। उन्होंने रामलीला मंचन में करीब छह दशको तक विभिन्न कलाकारों के अभिनय किये। परशुराम के अभिनय में उन्होंने लोगों के दिलों में अमिट छाप छोड़ी है। उनके इस अभिनय के लोग इतने कायल है की आमजन उन्हें परशुराम के रूप में पहचानने लगा। रामलीला मंचन के वरिष्ठ कलाकार विष्णु शर्मा, डॉ अरुण पुष्करणा,पालीराम मुंशी, महेश शर्मा, महेश जांगिड़,पवन सेन, शिव कुमार जांगिड़, अरुण शर्मा,श्यामसुंदर जांगिड़, मनोज शर्मा अन्य ने अपनी सवेंदनाएं दी है।

लक्ष्मणगढ़ काबरा परिवार के युवा ने रखा सूरत की सियासत में कदम, भाजपा सूरत महानगर में अखिलेश को मिली संगठनात्मक नियुक्ति

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

सामाजिक, राजनैतिक व व्यवसायिक क्षेत्र में सूरत में सक्रियता के साथ अपनी भागीदारी निभाने वाले लक्ष्मणगढ़ निवासी सूरत प्रवासी अखिलेश काबरा को भाजपा सूरत महानगर में संगठनात्मक नियुक्ति से नवाजा गया है।

भाजपा सूरत की घोषित कार्यकारिणी में अखिलेश काबरा पुत्र देवीदत्त काबरा को सूरत महानगर भाजपा में कार्यकारिणी सदस्य के रूप में शामिल किया गया। अखिलेश काबरा कोलकाता प्रवासी लक्ष्मनगढ निवासी युवा सामाजिक कार्यकर्ता योगेश काबरा व अंकित काबरा के चचेरे भाई व सूरत प्रवासी राकेश काबरा के अग्रज भ्राता है । अखिलेश को संगठनात्मक नियुक्ति मिलने पर लक्ष्मनगढ व सूरत में प्रसन्नता जाहिर करते हुए पारिवारिक सदस्यों, शुभचिंतकों, सहयोगियों व समर्थकों ने बधाई दी है।

महवा की प्रतिभाओं ने यूपीएससी में फहराया राष्ट्रीय परचम

तन्वी बमनावत 156वीं, अंकित जारवाल 205वीं और सानिध्य मीणा 480वीं रैंक से PSC में चमके

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल । संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) की सिविल सेवा परीक्षा 2025 के परिणामों ने महवा विधानसभा क्षेत्र को राष्ट्रीय स्तर पर गौरव का अवसर दिया है। क्षेत्र की तीन प्रतिभाओं ने कठिन मानी जाने वाली इस परीक्षा में उल्लेखनीय सफलता हासिल कर यह साबित कर दिया कि ग्रामीण अंचल की मेहनत और संकल्प देश की सर्वोच्च प्रशासनिक सेवाओं तक पहुंचने का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। टीकरी जाफरान की प्रतिभाशाली बेटी तन्वी बमनावत ने देशभर में 156वीं रैंक प्राप्त कर भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS) के लिए चयन सुनिश्चित किया है, जबकि आंतरहेड़ा निवासी अंकित जारवाल ने 205वीं रैंक और गोयाबास निवासी सानिध्य मीणा ने 480वीं रैंक हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। परिणाम सामने आते ही महवा कस्बे सहित आसपास के गांवों में खुशी की लहर दौड़ गई और लोगों ने मिठाई बांटकर इस उपलब्धि का उत्सव मनाया। महवा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम टीकरी जाफरान की बेटी तन्वी बमनावत ने सिविल सेवा परीक्षा में 156वीं रैंक प्राप्त कर शानदार सफलता हासिल की है। तन्वी ने इससे पहले अपने प्रथम प्रयास में भारतीय राजस्व सेवा (IRS) में चयनित होकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया था। इसके बाद उन्होंने निरंतर मेहनत और अनुशासन के साथ तैयारी जारी रखी और सिविल सेवा परीक्षा 2025 में उत्कृष्ट

तन्वी बमनावत,156 वीं रैंक

प्रदर्शन करते हुए भारतीय प्रशासनिक सेवा में चयन सुनिश्चित कर लिया। उनकी इस उपलब्धि को ग्रामीण परिवेश की बेटियों के लिए प्रेरणादायक माना जा रहा है। तन्वी की सफलता पर विधायक राजेंद्र मीणा सहित क्षेत्र के लोगों ने उन्हें और उनके परिवार को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं। इसी क्रम में महवा उपखंड मुख्यालय पर मंडावर रोड पर निवास कर रहे आंतरहेड़ा गांव के प्रतिभाशाली युवक अंकित जारवाल ने सिविल सेवा परीक्षा में 205वीं रैंक प्राप्त कर क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। अंकित इससे पहले अपने प्रथम प्रयास में भारतीय राजस्व सेवा (IRS) में चयनित हो चुके थे, लेकिन उन्होंने लक्ष्य को और ऊंचा रखते हुए निरंतर तैयारी जारी रखी और अब सिविल सेवा परीक्षा में उल्लेखनीय स्थान हासिल किया। अंकित के पिता जगमोहन मीणा अध्यापक हैं, जबकि माता ललिता मीणा पोस्टमास्टर के पद पर कार्यरत हैं। अंकित बताते हैं कि परिवार के सहयोग, गुरुओं के

अंकित जारवाल 25 वीं रैंक

मार्गदर्शन और निरंतर परिश्रम ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया। उन्हें प्रेरणा उनके मामा राहुल मीणा, जो भारतीय वन सेवा (IFS) अधिकारी हैं, से मिली, जबकि उनकी मामी नीलम मीणा प्रवर्तन निदेशालय (ED) में निदेशक के पद पर रांची में कार्यरत हैं। अंकित का बचपन महवा में अपने नाना शिवराम मीणा के सानिध्य में बीता, जो डाक विभाग से सेवानिवृत्त सुपरिटेंडेंट हैं, और वहीं रहकर उन्होंने शिक्षा प्राप्त की। अंकित ने उच्च शिक्षा आईआईटी दिल्ली से प्राप्त की और विद्यालयी जीवन में भी दसवीं कक्षा में मेरिट सूची में स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया था। उनकी इस उपलब्धि पर डाक विभाग मंडावर में पदस्थ पोस्टमास्टर हरकेश मीणा ने खुशी व्यक्त करते हुए विभागीय कर्मचारियों को मिठाई खिलाकर खुशी साझा की। वहीं महवा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम गोयाबास निवासी सानिध्य मीणा ने भी सिविल सेवा परीक्षा में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है।

सानिध्य मीना 480 वीं रैंक

सानिध्य, जो लोक निर्माण विभाग में अधिशासी अभियंता (XEN) ब्रजमोहन मीणा के पुत्र हैं, ने पूरे देश में 480वीं रैंक प्राप्त की है और अनुसूचित जनजाति वर्ग में तीसरा स्थान हासिल किया है। सानिध्य की सफलता की खबर मिलते ही गोयाबास सहित पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल बन गया और ग्रामीणों ने मिठाई बांटकर खुशी जाहिर की। तीनों प्रतिभाओं की इस ऐतिहासिक सफलता पर महवा विधायक राजेंद्र मीणा ने उन्हें और उनके परिजनों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि महवा क्षेत्र के युवाओं और विशेष रूप से बेटियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण परिवेश से निकलकर देश की सर्वोच्च प्रशासनिक सेवाओं में स्थान बनाना क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। विधायक ने घोषणा की कि महवा विधानसभा क्षेत्र की इन तीनों प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा, ताकि उनकी उपलब्धि से प्रेरित होकर क्षेत्र के अन्य युवा भी अपने लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ सकें।

पाडली मोड़ पर पेट्रोल-डीजल से भरा टैंकर पलटा, बाल-बाल बची जानें

हाईवे पर मचा हड़कंप, पुलिस ने वन-वे कर संभाला यातायात।

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा/बालाहेड़ी (दौसा)।

मनोज खंडेलवाल । जयपुर-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग-21 पर शनिवार को उस समय बड़ा हादसा टल गया, जब पेट्रोल-डीजल से भरा एक टैंकर अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया। घटना बालाहेड़ी थाना क्षेत्र के पाडली मोड़ के समीप हुई, जहां ज्वलनशील पदार्थ से भरे टैंकर के पलटते ही कुछ देर के लिए हाईवे पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। राहत की बात यह रही कि समय रहते पुलिस और प्रशासन की सक्रियता से संभावित बड़ा हादसा टल गया और किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टैंकर जयपुर की ओर से आगरा की दिशा में जा रहा था। इसी दौरान पाडली के पास सड़क पर अचानक एक जुगाड़ वाहन, एक महिला तथा किसान की बग्गी सामने आ गई। उन्हें बचाने के प्रयास में चालक ने टैंकर को मोड़ने की कोशिश की, लेकिन भारी वाहन होने के कारण संतुलन बिगड़ गया और टैंकर राजमार्ग के बीचों-बीच पलट गया। टैंकर में पेट्रोल-डीजल भरा होने की सूचना फैलते ही आसपास के लोगों और वाहन चालकों में दहशत का माहौल बन गया और कई वाहन चालक एहतियात के तौर पर दूर रुक गए। घटना की सूचना मिलते ही बालाहेड़ी थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और हालात को नियंत्रण में लिया। ज्वलनशील पदार्थ से भरे टैंकर को

देखते हुए पुलिस ने सुरक्षा की दृष्टि से हाईवे पर कुछ समय के लिए यातायात को वन-वे कर दिया तथा लोगों को टैंकर से दूरी बनाए रखने की हिदायत दी। साथ ही फायर ब्रिगेड और नेशनल हाईवे प्राधिकरण (एनएचएआई) की क्रेन को भी मौके पर बुलाया गया, ताकि टैंकर को सुरक्षित तरीके से हटाया जा सके। एनएचएआई की क्रेन की मदद से पलटे हुए टैंकर को सावधानीपूर्वक सीधा कराकर सड़क किनारे सुरक्षित स्थान पर खड़ा कराया गया। इस दौरान हाईवे पर यातायात धीमी गति से संचालित किया गया। मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण और राहगीर भी जमा हो गए, जिससे कुछ देर के लिए जाम की स्थिति बनी रही। पुलिस उपाधीक्षक मनोहर लाल मीणा सहित पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी पूरे घटनाक्रम की निगरानी करते रहे। पुलिस की तत्परता और सतर्कता के कारण संभावित बड़ा हादसा टल गया तथा कुछ समय बाद नेशनल हाईवे-21 पर यातायात को धीरे-धीरे सामान्य कर दिया गया। घटना के बाद वाहन चालकों और स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली और पुलिस-प्रशासन की त्वरित कार्रवाई की सराहना की।

महवा स्थित टाटा मोटर्स शोरूम में लाखों के गबन का पर्दाफाश

टेली सॉफ्टवेयर से हेराफेरी कर रकम खातों में डाली – मुख्य आरोपी रिंकू गिरफ्तार

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल । जयपुर-आगरा रोड स्थित खंडेलवाल टाटा मोटर्स प्राइवेट लिमिटेड में कंपनी की आय में हेराफेरी कर लाखों रुपये के गबन के मामले में महवा थाना पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर पांच दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है और अब उसके बैंक खातों व वित्तीय लेन-देन की गहन पड़ताल की जा रही है, ताकि गबन की पूरी राशि और उसके नेटवर्क का खुलासा किया जा सके। पुलिस के अनुसार खंडेलवाल टाटा मोटर्स के मालिक दिनेश खंडेलवाल निवासी गणेश चौक महवा ने 9 दिसंबर 2024 को महवा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया गया कि कंपनी में कार्यरत रिंकू ने टेली सॉफ्टवेयर और अकाउंट ट्रांजेक्शन में सुनियोजित तरीके से हेराफेरी कर कंपनी की आय के रुपये कंपनी खाते में जमा कराने के बजाय अपने अलग-अलग बैंक खातों में जमा करा लिए और इस तरह लाखों रुपये का गबन कर लिया। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और वित्तीय लेन-देन की पड़ताल के साथ आरोपी की तलाश शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपाधीक्षक मनोहर लाल मीणा के सुपरविजन में थानाधिकारी राजेन्द्र कुमार मीणा के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई। टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और बैंक खातों की प्रारंभिक जांच के आधार पर कार्रवाई करते हुए 6 मार्च को आरोपी रिंकू पुत्र कजोड़मल शर्मा (30) निवासी गीजगढ़ थाना सिकंदरा जिला दौसा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी ने कंपनी के टेली सॉफ्टवेयर में एंट्री और अकाउंट ट्रांजेक्शन में गड़बड़ी कर कंपनी की आय को अपने निजी खातों में ट्रांसफर किया। अब पुलिस आरोपी के विभिन्न बैंक खातों, क्रेडिट कार्ड और अन्य वित्तीय लेन-देन के रिकॉर्ड को खंगाल रही है, जिससे गबन की वास्तविक राशि और पूरे घटनाक्रम का खुलासा हो सके। पुलिस का कहना है कि रिमांड के दौरान आरोपी से पूछताछ कर मामले से जुड़े अन्य तथ्यों और संभावित संलिप्तता की भी जांच की जाएगी।

महवा में गूंजा गौसम्मान का आह्वान : 27 अप्रैल को तहसील स्तर पर ज्ञापन देकर गौहत्या पर देशव्यापी प्रतिबंध की मांग की तैयारी

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल । राजस्थान सहित पूरे देश में गौसेवा, गौसुरक्षा और गौसम्मान को लेकर चल रहे 'गौसम्मान आह्वान अभियान' के तहत महवा उपखंड मुख्यालय के प्राचीन किले स्थित श्रीकृष्ण गोपाल गौशाला के समीप किले वाली देवी माता मंदिर परिसर में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी 27 अप्रैल 2026 को देशभर की प्रत्येक तहसील पर गौमाता को राष्ट्र माता का दर्जा देने तथा गौहत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग को लेकर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपने की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए वृंदावन से पधारे पूर्वी राजस्थान के गौप्रचारक पूज्य संत वैष्णवदास महाराज ने कहा कि भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा में गौमाता का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। शास्त्रों में गौमाता को 33 कोटि देवी-देवताओं का निवास स्थान बताया गया है, लेकिन वर्तमान समय में देशी नस्ल के गोवंश की लगातार उपेक्षा होने के कारण बड़ी संख्या में गौवंश निराश्रित होकर सड़कों और राजमार्गों पर भटकने को

मजबूर है। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आए दिन सड़क दुर्घटनाओं में गोवंश की मृत्यु हो रही है, जबकि कई राज्यों में गोवध की खुली छूट के कारण हजारों गौवंश का कत्लखानों में निर्ममता से वध किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि देश में गोशालाओं की संख्या भी सीमित है और जहां गोशालाएं संचालित हैं, वहां भी व्यवस्थाएं पर्याप्त नहीं हैं। ऐसे में केंद्र सरकार द्वारा गोवंश की सेवा, सुरक्षा और संरक्षण के लिए समूचे देश में एक समान और सख्त कानूनी प्रावधान लागू करने की आवश्यकता है। संत वैष्णवदास महाराज ने बताया कि इस गंभीर विषय पर मंथन के लिए लगभग छह माह पूर्व वृंदावन धाम में संतों और गौसेवकों की एक विशेष बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें दो वर्ष की व्यापक योजना के तहत पूरे देश में शांतिपूर्ण और अहिंसक तरीके से अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। इस अभियान का उद्देश्य किसी भी सरकार के विरोध में आंदोलन करना नहीं बल्कि संविधान की मर्यादा में रहकर गौमाता के संरक्षण, सेवा और सम्मान के लिए जनजागरण करना है। उन्होंने सभी सनातनियों और गौभक्तों से आह्वान किया कि 27 अप्रैल 2026 को भारत की प्रत्येक तहसील पर हजारों की संख्या में लोग गौमाता के सानिध्य में एकत्र होकर तहसीलदार कार्यालय पहुंचें और गौहत्या पर पूर्ण प्रतिबंध तथा गौमाता को सम्मानजनक राष्ट्रीय दर्जा देने की मांग का ज्ञापन राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और राज्यपाल के नाम सौंपें।

बैठक में जिला प्रचारक एवं पूर्व एडीपीसी सुशील शर्मा ने कहा कि गौमाता के संरक्षण और संवर्धन के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग को आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि यह केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति, कृषि व्यवस्था और पर्यावरण संतुलन से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है, इसलिए अधिक से अधिक लोगों को इस अभियान से जुड़कर इसे सफल बनाना चाहिए ताकि समाज की आवाज सरकार तक प्रभावी रूप से पहुंच सके। गोपुत्र अवधेश अवस्थी ने कहा कि गौसेवा का अवसर मानव को बड़े सौभाग्य से मिलता है और गौमाता उसी व्यक्ति से सेवा कराती है जिसे वह योग्य समझती है। उन्होंने सभी गौभक्तों और सनातनी समाज से अपील करते हुए कहा कि 27 अप्रैल को जिला, तहसील और ब्लॉक स्तर पर बड़ी संख्या में पहुंचकर प्रशासन के माध्यम से राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और राज्यपाल के नाम ज्ञापन देकर गौ माता को उचित सम्मान दिलाने के इस अभियान को सफल बनाया जाए। बैठक में संत रामबालकदास महाराज किले वाली देवी मंदिर, एडवोकेट ओमप्रकाश अग्रवाल, डॉ. माधव खंडेलवाल, ओमप्रकाश पाराशर, नवनियुक्त महवा तहसील गौप्रचारक गोलू गोविंद सैनी, गौप्रचारक जितेंद्र गुर्जर जीतू बालाजी, नवल शर्मा, मोहित सैनी, शिवराम गुर्जर, अनिल गुर्जर, सत्यनारायण सैनी, अंकित गुर्जर, श्रीमती जूली खंडेलवाल, कल्पना शर्मा, शालू खंडेलवाल सहित सैकड़ों गौभक्त और सनातनी समाज के लोग उपस्थित रहे।

होली स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित

लोक कलाकारों ने दी धमालो के साथ लोक नृत्य की प्रस्तुतियां, कलाकारों का किया सम्मान।

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । कस्बे के मुकुंदगढ़ रोड़ स्थित परशुराम पुरिया भवन के पास हवेली में आज होली स्नेह मिलन समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया। सीआई रामनारायण चोयल मंडावा के मुख्य आतिथ्य में सीआई महेंद्र चावला ,सीआई पवन दुलड लालसोट मंचासिन रहे। कार्यक्रम के दौरान कस्बे में सर्व हितैषी व्यायाम शाला द्वारा आयोजित एवं गीन्दड़ कार्यक्रमों के सफल आयोजन को लेकर किया गया। इस अवसर पर सर्व हितैषी व्यायाम शाला के सचिव पीतांबर मिश्रा के नेतृत्व में संस्था के अध्यक्ष सुरेश पालड़ीवाला बालकिशन भाटीवाडा का नवयुवक मंडल सदस्यों ने सम्मान किया। अध्यक्षता शिक्षाविद भोलासिंह यदुवंशी ने की। विशिष्ट अतिथि पूर्व अध्यक्ष बजरंग लाल निर्वाण भोला सिंह यदुवंशी ,पूर्व प्रधान,गिरधारी खीचड़ राजकुमार निर्वाण ,राजेंद्र सिंह पवार मंचासिन रहे। इस अवसर पर मंडल के राजकुमार निर्माण ,राजेंद्र सिंह पवार योगेश सैनी ,निखिल सिंह, निकलेश सिंह ,नरेंद्र सिंह ,संजय सैनी, रविंद्र मेड़तिया ,सुनील सिंह रामस्वरूप देवड़ा, सुभाषचन्द्र बावलिया, सज्जन , बूली, राजपाल दूलड, मोहनलाल सैनी,प्यारेलाल फरडोलिया, शिवचरण गाडोदिया सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने अतिथियो का माल्यार्पण ओर साफा ओढ़ाकर सम्मान किया।

कार्यक्रम में ढप मंडली के कलाकारों के साथ मुख्य लोक गायक राजकुमार निर्वाण, संदीप सिंह,पवन कुमार सेन,पूर्व पालिकाध्यक्ष नरेश सोनी ने लोक गीतों और धमालो के साथ नृत्य की प्रस्तुतियां दी। इस अवसर पर पूर्व पालिकाध्यक्ष अध्यक्ष बजरंग लाल निर्वाण मंडावा, अलसीसर के पूर्व प्रधान गिरधारी खीचड़ , बाबूलाल सैनी, पुर भाजपा जिला मंत्री संदीप शर्मा ,पूर्व पार्षद कैलाश शर्मा ,गोपी नाटाणी, इलू हिमानी, संजय परिहार, नरेश सोनी, संजय मिल, दीपक खांडल, पूर्व पार्षद राजकुमार निर्वाण ,राजेंद्र सिंह पवार योगेश सैनी ,निखिल सिंह ,निकलेश सिंह ,नरेंद्र सिंह, संजय सैनी, रविंद्र मेड़तिया ,सुनील सिंह ,रामस्वरूप देवड़ा, सुभाषचन्द्र बावलिया, सज्जन, बूली, राजपाल दूलड, मोहनलाल सैनी, प्यारेलाल फरडोलिया,शिवचरण गाडोदिया, किशोर सिंह जादू उपस्थित थे।

महिला दिवस विशेष: स्वास्थ्य, शिक्षा व सकारात्मक सामाजिक सोच को बढ़ावा देने में डॉ मेहा पारीक की प्रेरणादायक पहल

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

महिलाओं व बालिकाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा व सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में लगातार अपनी सेवाएं दे रही लक्ष्मनगढ की जानी-मानी महिला एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ मेहा पारीक पिछले कई वर्षों से लक्ष्मणगढ़ अंचल में महिलाओं और बालिकाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा तथा सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही हैं।

डॉ पारीक गायनेकोलॉजिस्ट के रूप में पारीक हॉस्पिटल लक्ष्मणगढ़ में कार्यरत हैं ।जो अपने चिकित्सा कार्य के साथ-साथ समाज सेवा को भी अपने जीवन का महत्वपूर्ण उद्देश्य मानती हैं। डॉ. पारीक विशेष रूप से महिला स्वास्थ्य और बालिका शिक्षा के क्षेत्र में सक्रिय हैं। उनके द्वारा समय-समय पर अस्पताल में महिलाओं के लिए निःशुल्क थायरॉइड जाँच शिविर आयोजित किए जाते हैं ताकि ग्रामीण और आसपास के क्षेत्रों की महिलाएँ आसानी से स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ ले

सकें और थायरॉइड जैसी सामान्य लेकिन महत्वपूर्ण समस्या का समय पर पता लगाया जा सके।इसके अतिरिक्त डॉ. मेहा पारीक नियमित रूप से आस-पास के विद्यालयों में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित करती हैं। इन शिविरों में बच्चों की स्वास्थ्य जाँच के साथ-साथ किशोरियों के लिए विशेष स्वास्थ्य जागरूकता और परामर्श सत्र भी आयोजित किए जाते हैं, जिनमें मासिक धर्म स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता और शारीरिक-मानसिक विकास जैसे विषयों पर मार्गदर्शन दिया जाता है। समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की बालिकाओं की शिक्षा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से डॉ. पारीक पिछले चार वर्षों से नियमित रूप से गरीब बालिकाओं की शिक्षा के लिए आर्थिक सहयोग भी प्रदान कर रही हैं। उनका मानना है कि शिक्षित बालिका ही सशक्त समाज की नींव होती है।डॉ. मेहा पारीक द्वारा चलाया जा रहा एक अनूठा सामाजिक अभियान विशेष रूप से उल्लेखनीय है, जिसका उद्देश्य समाज में बेटी के जन्म के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना है। अक्सर देखा जाता है कि बेटी के जन्म पर परिवार में निराशा या नकारात्मक सोच देखने को मिलती है। इस सोच को बदलने के लिए डॉ. पारीक ने अपने अस्पताल में एक अनोखी पहल शुरू की है, जिसमें बेटी के जन्म को अस्पताल स्टाफ के साथ मिलकर उत्सव के रूप में मनाया जाता है।इस अभियान के माध्यम से माता-पिता और परिवार के अन्य सदस्यों को यह संदेश दिया जाता है कि बेटी किसी भी रूप में बेटे से कम नहीं है और उसका जन्म भी उतना ही गर्व और खुशी का अवसर है।इसी सोच को व्यापक समाज तक पहुँचाने के लिए डॉ. मेहा पारीक ने एक विशेष फेसबुक पेज 'नन्ही कली उज्ज्वल कल' भी शुरू किया है। इस पेज के माध्यम से बेटी के जन्म के महत्व, महिला सशक्तिकरण, बालिका शिक्षा और सकारात्मक सामाजिक सोच से जुड़े संदेश नियमित रूप से साझा किए जाते हैं। इस अभियान का उद्देश्य समाज में धीरे-धीरे ऐसी मानसिकता विकसित करना है जहाँ बेटी के जन्म को उत्सव और गर्व के रूप में स्वीकार किया जाए।डॉ. मेहा पारीक का यह प्रयास केवल चिकित्सा सेवा तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में स्वास्थ्य, शिक्षा और सकारात्मक सामाजिक सोच को बढ़ावा देने की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल है। उनके ये प्रयास लक्ष्मणगढ़ और आसपास के क्षेत्र में समाज के लिए एक सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं।

बीडीके अस्पताल में 50 सीएचओ का प्रशिक्षण पूर्ण, विदाई व सम्मान समारोह आयोजित

50 सीएचओ को प्रशिक्षण उपरांत फील्ड में बेहतरीन कार्य के लिए शपथ दिलाई

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

बीडीके अस्पताल झुंझुनूं में स्थित राजकीय नर्सिंग महाविद्यालय में समुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों के ब्रिज कोर्स के सफलतापूर्वक पूर्ण होने पर फील्ड में बेहतरीन कार्य करने की शपथ दिलाई गयी तथा विदाई एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। 50 सीएचओ

को प्रशिक्षण पूर्ण होने पर प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गये। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. छोटेलाल गुर्जर एवं विशिष्ट अतिथि बी.डी.के. अस्पताल डॉ. जितेंद्र भामू एवं अध्यक्षता राजकीय नर्सिंग महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. आबिदा खान ने की। कार्यक्रम में बी.डी.के. अस्पताल के आरएमओ डॉ. सिद्धांत शर्मा एवं हेल्थ मैनेजर डॉ. नावेद अख्तर ने भी संबोधित किया । फील्ड में सेवा और नेतृत्व का आह्वान समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. छोटेलाल गुर्जर ने सभी सीएचओ को बधाई दी और कहा कि फील्ड पोस्टिंग के दौरान समुदाय के प्रति सेवा भाव से कार्य करना ही उनकी असली सफलता होगी।

पीएमओ डॉ. जितेंद्र भाम्बू ने प्रशिक्षण उपरांत

आमजन को चिकित्सा सेवाएं प्रदान करना तथा सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाना ही ब्रिज कोर्स की उपयोगिता साबित कर सकेगा। सभी सीएचओ आमजन को एनसीडी,टीकाकरण, मातृ शिशु सेवाओं के प्रति जागरूकता एवं उपचार में महती भूमिका निभानी होगी। प्राचार्य डॉ. आबिदा खान ने सभी प्रशिक्षणार्थियों को मरीज की प्राथमिकता को सर्वोपरि रखने की सीख दी। उन्होंने बताया कि सभी सीएचओ का ब्रिज कोर्स, जिसमें क्लिनिकल ड्यूटी और थ्योरी क्लासेस शामिल थीं, नियमानुसार सिलेबस के साथ पूर्ण कराया गया है। इस अवसर पर क्वालिटी एश्योरेंस ट्रेनिंग सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम का संचालन नर्सिंग ट्यूटर श्रीमती अंजना चौधरी द्वारा किया गया। महाविद्यालय के स्टाफ पूनम भास्कर, सुमन ओला और पूनम डांगी और 50 सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी जिन्होंने प्रशिक्षण लिया है उपस्थित रहे तथा ग्रामीण क्षैत्रो में बेहतरीन सेवाएं प्रदान की शपथ ली गयी।

आईटीआई जखराना के छात्रों का औद्योगिक भ्रमण, नीमराना की कंपनियों का कराया दौरा

भीम प्रज्ञा न्यूज.जखराना।

राजस्थान आईटीआई जखराना के छात्रों को औद्योगिक अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से नीमराना औद्योगिक क्षेत्र की कंपनियों का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। इस अवसर पर संस्था के चेयरमैन एडवोकेट राजकुमार यादव ने छात्रों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। संस्थान के प्राचार्य सतीश यादव के नेतृत्व में इलैक्ट्रीशियन और फिटर ट्रेड के विद्यार्थियों को नीमराना स्थित हैवेल्स इंडिया लिमिटेड. का दौरा कराया गया। यहां कंपनी के जनरल मैनेजर योगेंद्र सिसोदिया, सीनियर एचआर मैनेजर योगेंद्र यादव तथा किरण, रमेश और अमित गुप्ता ने विद्यार्थियों को मशीनों के उत्पादन, पैकिंग प्रक्रिया और औद्योगिक तकनीकी बारीकियों की

विस्तृत जानकारी दी। साथ ही विद्यार्थियों को उद्योगों में काम करने की कार्यप्रणाली और आधुनिक तकनीकों के बारे में भी अवगत कराया गया। इस अवसर पर विद्या भारती पब्लिक स्कूल निजामपुर की चेयरपर्सन डॉ. उषा यादव, प्रबंध निदेशक पीयूष यादव, डायरेक्टर डॉ. रविन्द्रा यादव, राजस्थान ग्रुप ऑफ एज्यूकेशन जखराना के डायरेक्टर डॉ. सुभाष सिंह, राजस्थान पब्लिक स्कूल के प्राचार्य योगेश यादव, पीजी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. लोकेश कुमार, सीमा यादव, सदीप यादव सहित अन्य शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। संस्थान प्रबंधन ने बताया कि इस तरह के औद्योगिक भ्रमण से विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त होता है और उन्हें भविष्य में रोजगार के अवसरों के बारे में बेहतर समझ मिलती है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

विधायक चंद्रप्रकाश ने केंद्र की तर्ज पर ओबीसी के आरक्षण को गजटिड क्लास में 27 प्रतिशत करने की मांग रखी

हिसार शहर के दक्षिणी भाग में राजकीय महाविद्यालय स्थापित करने की नितांत आवश्यकता : विधायक चंद्रप्रकाश

आदमपुर हलके के खालों के पक्का होने से किसानों को काफी राहत मिलेगी : विधायक चंद्रप्रकाश

विधायक चंद्रप्रकाश ने बजट सत्र में उठाए आदमपुर हलके से जुड़े जनहित के मुद्दे

बजट सत्र : - विधायक चंद्रप्रकाश ने ओबीसी, दिव्यांगजनों, सफाई कर्मियों व किसानों के हक की आवाज की बुलंद

भीम प्रज्ञा न्यूज.हिसार/ मंडी आदमपुर।

रजत विजय रंगा । विधायक चंद्रप्रकाश ने विधानसभा के बजट सत्र के दौरान ओबीसी के आरक्षण एवं दिव्यांगों, सफाई कर्मचारियों व किसानों के हक की आवाज उठाई। उन्होंने आदमपुर हलके से जुड़े जनहित के मुद्दों को भी प्रमुखता से उठाया। चंद्रप्रकाश ने कहा कि प्रदेश सरकार को चाहिए कि ओबीसी वर्ग को आगे बढ़ने के समुचित अवसर प्रदान करे। उन्होंने स्पष्ट किया कि हरियाणा में गजटिड क्लास में बीसी ए और बीसी बी कैटेगरी की ग्रुप ए और बी की नौकरियों में जो आरक्षण 10 प्रतिशत एवं 5 प्रतिशत का प्रावधान है उसे बढ़ाकर केंद्र सरकार की तर्ज पर 16 प्रतिशत एवं 11 प्रतिशत करना चाहिए। इस तरह कुल 27 प्रतिशत का आरक्षण प्रदान करके ओबीसी वर्ग को पर्याप्त अवसर प्रदान करने चाहिए। वर्ष 2014 में कांग्रेस शासनकाल में तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने इस आरक्षण को बढ़ाकर गजटिड क्लास के लिए 15 प्रतिशत किया था जिसे अब केंद्र की तर्ज पर बढ़ाकर 27 प्रतिशत करने की आवश्यकता है। विधायक चंद्रप्रकाश ने विधानसभा में स्पष्ट किया कि हिसार शहर के दक्षिण भाग में आबादी बढ़ी है। इसलिए इस क्षेत्र में राजकीय महाविद्यालय की नितांत आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय की स्थापना से आजाद नगर, कैमरी रोड क्षेत्र व गंगवा सहित अन्य निकटवर्ती क्षेत्रों के विद्यार्थी लाभान्वित होंगे। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025 में आदमपुर हलके के खालों के निर्माण के लिए 86 करोड़ रुपये का एस्टीमेट मंजूर किया गया था लेकिन इस दिशा में कोई प्रभावी कदम नहीं उठाए गए। उन्होंने कहा कि किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं मिलता। खालों के पक्का होने से किसानों को काफी राहत मिलेगी। इस संदर्भ में सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री ने विधानसभा में आश्वस्त किया कि आदमपुर हलके के खालों के लिए जो एस्टीमेट आए हुए हैं, उसके आधार पर खालों को पक्का करने का काम जल्द शुरू कर दिया जाएगा। चंद्रप्रकाश ने विधानसभा अध्यक्ष के माध्यम से सरकार से मांग की कि बालसमंद अनाज मंडी में कवर शेड व बाउंड्री वॉल का निर्माण तुरंत प्रभाव से करवाया जाए। बालसमंद में 50 बिस्तर के अस्पताल की स्थापना करने की भी नितांत आवश्यकता है। आदमपुर, गांव बालसमंद, कालीरावण व सदलपुर के खेल स्टेडियम की मरम्मत या पुनर्निर्माण करवाकर युवाओं को खेल के अवसर प्रदान किए जाएं।

उन्होंने स्पष्ट किया कि आदमपुर हलके के विभिन्न गांवों में बारिश के दौरान जलभराव से हजारों एकड़ फसल बर्बाद हो गई। किसानों ने पोर्टल पर नुकसान का ब्योरा भी दर्ज करवाया लेकिन अभी तक किसानों को कोई मुआवजा नहीं मिला है। इसलिए तुरंत मुआवजा प्रदान किया जाए। सीसवाल, कोहली, न्योली कलां, न्योली खुर्द, चूली बागडियान, दड़ौली, सारंगपुर व महलसरा सहित बहुत से गांवों में बरसाती पानी की निकासी न होने से अगली फसल की बिजाई भी नहीं हो पाई। इसलिए पानी निकासी की समुचित व्यवस्था सरकार को करवानी चाहिए। आदमपुर के रविदास नगर में 400 अनुसूचित वर्ग के परिवारों को और बीड़ के पांच गांवों के निवासियों को मालिकाना हक प्रदान करने की व्यवस्था भी सरकार को करवानी चाहिए। चंद्रप्रकाश ने दिव्यांगों के हक की पैरवी करते हुए कहा कि दिव्यांग कर्मचारियों की नौकरी की उम्र 60 वर्ष से घटाकर 58 वर्ष कर दी है। सरकार से मांग है कि इस निर्णय को निरस्त करते हुए दिव्यांग कर्मचारियों की सेवा आयु पुनः 60 वर्ष की जाए। चंद्रप्रकाश ने तथ्यों के साथ स्पष्ट किया कि सरकारी, अर्ध सरकारी व ग्राम पंचायतों में 67 हजार से अधिक सफाई कर्मचारी पार्ट टाइम, ठेका प्रथा एवं सरकार की अन्य नीतियों के तहत कार्यरत हैं। सरकार को पिछले 10-15 वर्षों से कार्यरत सफाई कर्मचारियों के लिए पॉलिसी बनाकर उन्हें स्थायी करने का काम करना चाहिए।

कर्ज की ओर ले जाने वाला बजट

हिसार / मंडी आदमपुर : विधायक चंद्रप्रकाश ने बजट सत्र के दौरान कहा कि हाल ही में हरियाणा सरकार द्वारा प्रस्तुत किया गया बजट कर्ज को बढ़ावा देने वाला बजट है। उन्होंने कहा कि बजट में वर्ष 2047 के विजन की बात कही गई है लेकिन यथार्थ में ऐसी कोई योजनाएं नहीं हैं जिससे कहा जा सके कि बजट दूरदर्शी और जनकल्याणकारी है। उन्होंने कहा कि किसी भी राज्य के प्रभावशाली बजट में शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, रोजगार व पिछड़ा वर्ग के लिए कल्याणकारी योजनाओं सहित बहुत से महत्वपूर्ण बिंदुओं पर कार्य किया जाता है। इसके विपरीत वर्तमान बजट में इन बातों का अभाव दिखाई देता है।

लोक अदालत की आड़ में साइबर ठगी से सावधान रहें नागरिक : सीजेएम गायत्री

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । हरियाणा राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण, पंचकूला के सदस्य सचिव से प्राप्त दिशा-निर्देशों की अनुपालना में तथा जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण अध्यक्ष दीपक अग्रवाल के आदेशानुसार 14 मार्च, 2026 को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इस राष्ट्रीय लोक अदालत के आयोजन को देखते हुए साइबर अपराधी भी सक्रिय हो गए हैं और लोक अदालत के नाम पर लोगों को ठगने का प्रयास कर रहे हैं। सीजेएम एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण सचिव गायत्री ने जानकारी देते हुए बताया कि साइबर ठग लोगों को ई-मेल, एसएमएस और व्हाट्सएप के माध्यम से फर्जी लिंक भेजते हैं, जो देखने में सरकारी या आधिकारिक प्रतीत होते हैं। इन लिंक के जरिए अपराधी लोगों की बैंक डिटेल, पासवर्ड और ओटीपी जैसी संवेदनशील जानकारी प्राप्त कर ठगी करने की कोशिश करते हैं। उन्होंने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें और अपनी व्यक्तिगत या बैंकिंग जानकारी किसी के साथ साझा न करें। यदि गलती से कोई लिंक क्लिक हो जाए या कोई व्यक्ति साइबर ठगी का शिकार हो जाए, तो तुरंत नजदीकी थाने में सूचना दें या साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करें। इसके अलावा जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के हेल्पलाइन नंबर 01667-231174 पर भी जानकारी दी जा सकती है।

खारा खेड़ी दलित प्रकरण में त्वरित संज्ञान लेने पर एसपी सिद्धांत जैन का आभार-एडवोकेट विजय कृष्ण रंगा

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत रंगा । फतेहाबाद जिले के खारा खेड़ी गांव में एक दलित परिवार के कथित पलायन की खबर सामने आने के बाद पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन (आईपीएस) द्वारा मामले में त्वरित संज्ञान लेकर जांच करवाने पर हरियाणा भीम आर्मी (लीगल विंग) के प्रदेश प्रवक्ता एडवोकेट विजय कृष्ण रंगा ने उनका आभार व्यक्त किया है। एडवोकेट विजय कृष्ण रंगा ने बताया कि मीडिया में यह खबर सामने आई थी कि खारा खेड़ी गांव में कुछ लोगों द्वारा प्रताड़ित किए जाने के कारण दलित समाज का एक परिवार गांव छोड़कर पलायन कर गया है। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने तुरंत डीएसपी के नेतृत्व में टीम को जांच के निर्देश दिए और पूरे प्रकरण की विस्तृत जानकारी मांगी। जांच के दौरान सामने आया कि उक्त परिवार किसी प्रकार की प्रताड़ना के कारण नहीं, बल्कि अपनी इच्छा से अपने भाई के पास रहने के लिए गया था। मामले की सच्चाई सामने आने के बाद एडवोकेट विजय कृष्ण रंगा ने पुलिस अधीक्षक के त्वरित और निष्पक्ष कदम की सराहना की।

उन्होंने दलित समाज से भी अपील की कि किसी भी प्रकार की भ्रांति या अफवाहों से बचें और जातीय दुष्प्रचार का हिस्सा न बनें, ताकि समाज में सकारात्मक वातावरण बना रहे।एडवोकेट विजय कृष्ण रंगा ने प्रशासन को भी आगाह करते हुए कहा कि कई बार दलित समाज की शिकायतों पर स्थानीय पुलिस स्तर पर ढिलमुल रवैया अपनाया जाता है और कई मामलों में शिकायतें थाना स्तर पर ही दबा दी जाती हैं। उन्होंने हरियाणा पुलिस के उच्च अधिकारियों से अनुरोध किया कि दलित समाज से जुड़ी समस्याओं और शिकायतों को प्राथमिकता देते हुए उनका निष्पक्ष और समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि समाज में शांति, विश्वास और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन और समाज दोनों को मिलकर सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए।

महवा स्थित टाटा मोटर्स शोरूम में लाखों के गबन का पर्दाफाश

टेली सॉफ्टवेयर से हेराफेरी कर रकम खातों में डाली – मुख्य आरोपी रिंकू गिरफ्तार।

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल । जयपुर-आगरा रोड स्थित खंडेलवाल टाटा मोटर्स प्राइवेट लिमिटेड में कंपनी की आय में हेराफेरी कर लाखों रुपये के गबन के मामले में महवा थाना पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर पांच दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है और अब उसके बैंक खातों व वित्तीय लेन-देन की गहन पड़ताल की जा रही है, ताकि गबन की पूरी राशि और उसके नेटवर्क का खुलासा किया जा सके। पुलिस के अनुसार खंडेलवाल टाटा मोटर्स के मालिक दिनेश खंडेलवाल निवासी गणेश चौक महवा ने 9 दिसंबर 2024 को महवा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया गया कि कंपनी में कार्यरत रिंकू ने टेली सॉफ्टवेयर और अकाउंट ट्रांजेक्शन में सुनियोजित तरीके से हेराफेरी कर कंपनी की आय के रुपये कंपनी खाते में जमा कराने के बजाय अपने अलग-अलग बैंक खातों में जमा करा लिए और इस तरह लाखों रुपये का गबन कर लिया। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और वित्तीय लेन-देन की पड़ताल के साथ आरोपी की तलाश शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपाधीक्षक मनोहर लाल मीणा के सुपरविजन में थानाधिकारी राजेन्द्र कुमार मीणा के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई। टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और बैंक खातों की प्रारंभिक जांच के आधार पर कार्रवाई करते हुए 6 मार्च को आरोपी रिंकू पुत्र कजोड़मल शर्मा (30) निवासी गीजगढ़ थाना सिकंदरा जिला दौसा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी ने कंपनी के टेली सॉफ्टवेयर में एंट्री और अकाउंट ट्रांजेक्शन में गड़बड़ी कर कंपनी की आय को अपने निजी खातों में ट्रांसफर किया। अब पुलिस आरोपी के विभिन्न बैंक खातों, क्रेडिट कार्ड और अन्य वित्तीय लेन-देन के रिकॉर्ड को खंगाल रही है, जिससे गबन की वास्तविक राशि और पूरे घटनाक्रम का खुलासा हो सके। पुलिस का कहना है कि रिमांड के दौरान आरोपी से पूछताछ कर मामले से जुड़े अन्य तथ्यों और संभावित संलिप्तता की भी जांच की जाएगी।

वीर माता डॉ रमाकांत शर्मा सम्मान समारोह आज हिसार में होगा आयोजित-प्रैस प्रवक्ता विनय वर्मा

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना,

रजत विजय रंगा । हिसार 'वीरांगना - शिक्षा के साथ सुरक्षा' सूरज सेवा फाउंडेशन के डायरेक्टर हरीश सिराधना तथा सहायक डायरेक्टर एवं राष्ट्रीय प्रेस प्रवक्ता विनय वर्मा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि सूरजसेवा फाउंडेशन द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 'वीर माता डॉ. रमा कांता सम्मान समारोह' का भव्य आयोजन 08 मार्च 2026 को नारायणी देवी सेवा सदन, डी.एन. कॉलेज रोड, हिसार में किया जाएगा। यह कार्यक्रम संस्था की विशेष पहल 'वीरांगना - शिक्षा के साथ सुरक्षा' के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है।इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. रमाकांता शर्मा (70 से अधिक पुस्तकों की लेखिका, दो विषयों में पीएचडी तथा कई राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित) उपस्थित रहेंगी। वहीं विशेष अतिथि के रूप में श्री जनार्दन शर्मा (पूर्व निदेशक, युवा कल्याण, एमडीयू रोहतक तथा हरियाणा की लगभग 24 हरियाणवी फिल्मों में हास्य अभिनेता का किरदार निभाने वाले कलाकार) सहित समाज के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े कई गणमान्य अतिथि अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज करवाएंगे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य उन 101 माताओं को सम्मानित करना है, जिनके बच्चों ने इस वर्ष कराटे खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इसके साथ ही शिक्षा व खेल के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने वाले प्रिंसिपलों को भी सम्मानित किया जाएगा।समारोह के दौरान समाज सेवा, शिक्षा, खेल, कला, प्रशासन और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली कई हस्तियों को भी सम्मानित किया जाएगा। इनमें आजादो देवी जी (राष्ट्रीय मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप कांस्य पदक विजेता), ममता जी (सब-इंस्पेक्टर, हरियाणा पुलिस), ईशु जांगिड़ जी (महिला उद्यमी), रेखा वर्मा सरीन जी(हरियाणवी फिल्म चंद्रावल और गुलाबो की सुपरहिट और सुप्रसिद्ध हीरोइन), रमा बल्हारा जी (प्रसिद्ध शिक्षाविद और हरियाणवी कलाकार) , रामपाल बल्हारा जी (हरियाणवी फिल्मों के सुप्रसिद्ध डायरेक्टर, प्रोड्यूसर और हीरो) ,विनय वर्मा (हरियाणा प्राइवेट स्कूल संघ के राज्य प्रेस प्रवक्ता तथा हाईफा के सदस्य) सहित कई प्रमुख व्यक्तित्व शामिल रहेंगे। सूरजसेवा फाउंडेशन के निदेशक हरीश सिराधना ने बताया कि 'वीर माता सम्मान समारोह' का यह तीसरा आयोजन है। उन्होंने कहा कि सूरजसेवा फाउंडेशन पिछले कई वर्षों से बेटियों और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। संस्था अब तक 50 हजार से अधिक लड़कियों को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दे चुकी है तथा पिछले 12 वर्षों से निशुल्क कराटे प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन करती आ रही है। उन्होंने शहरवासियों, सामाजिक संगठनों, शिक्षकों, खिलाड़ियों और अभिभावकों से इस प्रेरणादायक कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर बेटियों के सम्मान और महिला सशक्तिकरण के इस अभियान को मजबूत बनाने का आह्वान किया।

टोहाना बार एसोसिएशन के विशेष निमंत्रण पर बार रूम में पहुंचे साध्वी शिव प्रज्ञा जी

मोबाइल फोन का अधिक प्रयोग को बताया डीजिटल ड्रग का सेवन

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

टोहाना बार एसोसिएशन के विशेष निमंत्रण पर साध्वी प्रज्ञा जी प्रवचन देने बार रूम टोहाना में पहूंची तथा उपस्थित वकील समुदाय को सम्बोधित किया। अपने ओजस्वी वाणी में साध्वी शिव प्रज्ञा जी ने अपने व्याख्यान में कहा कि आजकल एक आई से ही सारा काम किया जा रहा है आदमी को अपनी सही सोच का सुद्उपयोग कर अपने कार्य को अंजाम देना चाहिए, उन्होंने बताया कि एआई प्रक्रिया हमारे समाज व भविष्य के लिए खतरनाक बताया। साध्वी शिव प्रज्ञा जी ने आगे अपने सम्बोधन में कहा कि वर्तमान में मोबाइल फोन का प्रयोग करें भी युवाओं के लिए घातक बताया और मोबाइल फोन के प्रयोग को डिजिटल ड्रग बताया और कहा कि ड्रग नशा के दुष्प्रभावों की तरह मोबाइल फोन का ज्यादा इस्तेमाल शरीर के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है इस लिए मोबाइल विकरण से बचते हुए मोबाइल फोन का प्रयोग अति आवश्यक हो तो ही करे इसकी लत से बचें। बार एसोसिएशन टोहाना के सभी पदाधिकारियों व वकीलों ने साध्वी शिव प्रज्ञा जी का बार एसोसिएशन पधारने पर आभार व्यक्त किया।

लाइनमैन दिवस पर दो कर्मचारियों का सम्मान:

विपरीत परिस्थितियों में भी देते हैं सेवा, सुरक्षा नियमों के पालन का लिया संकल्प

भीम प्रज्ञा न्यूज

रानौली । अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के सहायक अभियंता कार्यालय पलसाना में शनिवार को लाइनमैन दिवस मनाया गया। इस अवसर पर उत्कृष्ट सेवाएं देने वाले दो कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। यह आयोजन बिजलीकर्मियों के समर्पण और सेवाभाव को सम्मान देने के लिए किया गया, जो त्योहारों और छुट्टियों में भी आपातकालीन सेवाओं के लिए तैनात रहते हैं। कार्यक्रम में बताया गया कि लाइनमैन कर्मचारी आंधी, बारिश, कड़ाके की सर्दी और भीषण गर्मी जैसी विपरीत परिस्थितियों में भी पूरी निष्ठा और साहस के साथ विद्युत आपूर्ति को सुचारू बनाए रखते हैं। उनके प्रयासों से ही गांवों, शहरों और खेतों तक बिजली पहुंचती है, जिससे आमजन का दैनिक जीवन सुचारू रूप से चलता है। सहायक अभियंता लालचंद बैरवा ने इस अवसर पर कहा कि बिजली अब जीवन की मूलभूत आवश्यकता बन चुकी है। कर्मचारियों की मेहनत से ही घरों में रोशनी होती है, किसानों के खेतों में सिंचाई संभव होती है और उद्योग-धंधों को गति मिलती है। उन्होंने आमजन से अपील की कि बिजली बाधित होने पर संयम बनाए रखें और विभागीय कर्मचारियों का सहयोग करें। कार्यक्रम में फील्ड कार्य के दौरान सुरक्षा को सर्वोपरि बताया गया। कर्मचारियों को सुरक्षा उपकरणों का अनिवार्य रूप से उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर पन्नालाल (सहायक प्रथम/लाइनमैन) और धर्मेंद्र यादव (तकनीशियन द्वितीय/लाइनमैन) को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी कर्मचारियों ने विद्युत दुर्घटनाओं की रोकथाम और सुरक्षित कार्य प्रणाली अपनाने की शपथ ली। इस अवसर पर कनिष्ठ अभियंता महेश कुमार, कनिष्ठ अभियंता सुशील चौधरी, सहायक प्रशासनिक अधिकारी रिछपाल सिंह बेनीवाल सहित कार्यालय के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

तातीजा की प्रीति जेवरिया का UPSC में चयन

ग्रामीणों ने किया सम्मान, IPS बनने पर मिली बधाई

भीम प्रज्ञा न्यूज

खेतड़ी । खेतड़ी उपखंड के तातीजा गांव की प्रीति जेवरिया का संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की सिविल सेवा परीक्षा में चयन होने पर शनिवार को ग्रामीणों द्वारा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। प्रीति ने इस प्रतिष्ठित परीक्षा में 521वीं अखिल भारतीय रैंक हासिल कर भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) में स्थान प्राप्त किया है। प्रीति थावरमल जेवरिया की पुत्री हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह थे, जबकि अध्यक्षता सुभाष कसाना ने की। समारोह की शुरुआत में अतिथियों ने प्रीति जेवरिया को माला, साफा और गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने प्रीति की सफलता को क्षेत्र के लिए गौरवपूर्ण बताया। मुख्य अतिथि डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि ग्रामीण परिवेश से निकलकर यूपीएससी जैसी कठिन परीक्षा में सफलता प्राप्त करना एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रीति की यह सफलता क्षेत्र के युवाओं को प्रेरणा देगी और यह साबित करती है कि कड़ी मेहनत, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण से कोई भी ऊंचाई हासिल की जा सकती है। अध्यक्ष सुभाष कसाना ने भी प्रीति की उपलब्धि को पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय बताया, जिससे युवाओं में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। प्रीति जेवरिया ने अपनी शैक्षणिक यात्रा के बारे में बताया कि उन्होंने दसवीं और बारहवीं की परीक्षा खेतड़ी नगर के एक निजी स्कूल से उत्तीर्ण की। इसके बाद दिल्ली यूनिवर्सिटी से बीकॉम की पढ़ाई पूरी की और आईआईटी बॉम्बे से एमएससी की डिग्री प्राप्त की। उन्होंने दिल्ली में रहकर यूपीएससी परीक्षा की तैयारी की और यह सफलता अपने चौथे प्रयास में हासिल की। प्रीति ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने माता-पिता को दिया।

श्री रघुनाथ जी के मंदिर में हिन्दूराष्ट्र - संगोष्ठी आज

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

श्री रघुनाथ जी के मंदिर में रविवार 08 मार्च को शाम 5 बजे हिन्दू राष्ट्र - संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। यह जानकारी देते हुए विहिप नेता रतन सिंह बगड़ी ने बताया संगोष्ठी श्री जगन्नाथ पुरी मठ के शंकराचार्य महाराज के कृपा पात्र शिष्य, विश्व ब्राह्मण भूषण व आदित्य वाहीनी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रेमचंद्र झा के आतिथ्य व श्री रघुनाथ जी का बड़ा मंदिर लक्ष्मणगढ के महंत अशोक दास महाराज के सानिध्य में आयोजित होगी।

वसुंधरा बोलीं-काम अच्छा किया जाए तो पद अपने आप आता

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने कहा- राजस्थानियों का प्यार ही मेरे लिए सबसे बड़ा पद है। राजनीति में हर कोई पद चाहता है, लेकिन अगर काम अच्छा किया जाए तो पद अपने आप व्यक्ति के पास आ जाता है। यह बात वसुंधरा राजे ने जयपुर में आयोजित सशक्त युवा-सशक्त राष्ट्र सम्मेलन में कही। पूर्व सीएम ने युवाओं से प्रदेश और देश के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। उन्होंने कहा- आज के समय में नई तकनीकों की समझ बेहद जरूरी है। जो देश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी तकनीकों में आगे होगा। वहीं, भविष्य में दुनिया का नेतृत्व करेगा।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 फाइनल

अहमदाबाद की पिच पर बल्लेबाजों का दबदबा, 200 रन के पार जा सकता है स्कोर

एजेंसी, नई दिल्ली

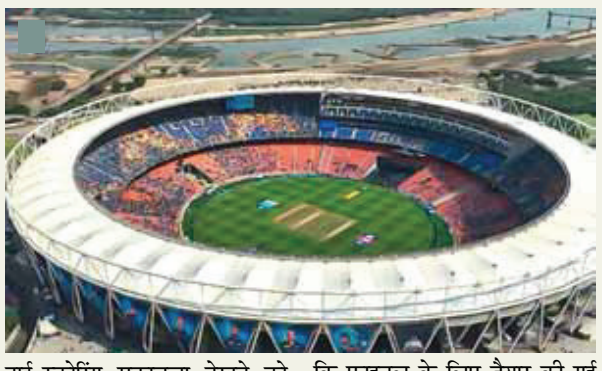

आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल मुकाबला 8 मार्च को टीम इंडिया और न्यूजीलैंड के बीच अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में खेला जाना हैं। जहां डिफेंडिंग चैंपियन भारत के सामने कीवी टीम कड़ी चुनौती पेश करेगी। एक रिपोर्ट्स के अनुसार इस मैच के लिए तैयार की गई पिच बल्लेबाजों के लिए अनुकूल मानी जा रही है और यहां लगभग 200 रन या उससे अधिक का स्कोर प्रतिस्पर्धी माना जा सकता है। मिली जानकारी के मुताबिक फाइनल मुकाबला सेंटर विकेट पर खेला जाएगा। इसी पिच का उपयोग पहले एक मैच में किया गया था, जिसमें साउथ अफ्रीका ने कनाडा टीम के खिलाफ 213/4 का बड़ा स्कोर बनाया था और 57 रन से जीत दर्ज की थी। इससे संकेत मिलते हैं कि पिच बल्लेबाजों के लिए अनुकूल रह सकती है और यहां हाई-स्कोरिंग मुकाबला देखने को मिल सकता है। रिपोर्ट के अनुसार इस विकेट पर स्पिन गेंदबाजों को ज्यादा मदद मिलने की संभावना कम है, जबकि तेज गेंदबाजों को अच्छी गति और उछाल मिल सकती है। पिच का व्यवहार कुछ हद तक मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम की पिच जैसा रहने की उम्मीद जताई जा रही है। इसी मैदान पर भारत ने सेमीफाइनल में इंग्लैंड को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। बताया जा रहा है कि फाइनल के लिए तैयार की गई पिच पूरी तरह ताजा होगी और इसे लाल तथा काली मिट्टी के मिश्रण से तैयार किया गया है। यह पिच 2023 के आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2023 फाइनल में इस्तेमाल की गई पिच से काफी अलग होगी। उस समय इस्तेमाल की गई पिच पूरी तरह काली मिट्टी की थी और पहले से उपयोग में लाई जा चुकी थी, जिसके कारण वह धीमी और कम उछाल वाली हो गई थी। 2023 के फाइनल में भारतीय टीम 240 रन पर ऑलआउट हो गई थी, जो बाद में कम स्कोर साबित हुआ। आस्ट्रेलियाई टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 6 विकेट से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम कर लिया था। उस समय पिच चयन को लेकर काफी विवाद भी हुआ था। आमतौर पर आईसीसी टूर्नामेंट में पिच की तैयारी आईसीसी के क्यूरेटर की निगरानी में होती है, लेकिन उस फाइनल के दौरान खबरें आई थीं कि बीसीसीआई और भारतीय टीम ने पिच चयन में अपनी राय दी थी। बाद में उस फैसले की काफी आलोचना हुई थी। इस बार यह स्पष्ट नहीं है कि पिच तैयार करने में भारतीय टीम या बीसीसीआई की कितनी भूमिका रही है, लेकिन अगर पिच सपाट और बल्लेबाजी के अनुकूल रहती है तो इसका फायदा भारत के आक्रामक बल्लेबाजों को मिल सकता है। खासकर सूर्यकुमार यादव जैसे खिलाड़ी ऐसे विकेट पर तेजी से रन बना सकते हैं। आमतौर पर कठिन और धीमी पिचें कमजोर टीमों को मुकाबले में बने रहने का मौका देती हैं, क्योंकि बड़े स्कोर बनाना मुश्किल हो जाता है। वहीं सपाट पिच पर मजबूत और अनुभवी बल्लेबाजी लाइनअप वाली टीमों को बढ़त मिलती है। सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ भारत ने 253 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया था, लेकिन मुकाबला काफी करीबी रहा और टीम सिर्फ 7 रन से जीत पाई। उस मैच में जसप्रीम बुमराह को छोड़कर बाकी गेंदबाजों ने काफी रन खर्च किए थे। ऐसे में अगर फाइनल मुकाबला भी बल्लेबाजी के अनुकूल पिच पर खेला जाता है तो भारतीय गेंदबाजों के लिए असली परीक्षा होगी। टीम को बुमराह के साथ वरुण चक्रवर्ती और हार्दिक पाण्डया से न्यूजीलैंड के मजबूत बल्लेबाजी क्रम के खिलाफ अहम विकेट लेने की उम्मीद रहेगी।

फायनल में बदलाव करने की जरूरत नहीं: रवि शास्त्री

अभिषेक शर्मा को मानसिक रूप से मजबूत करें, संजू सैमसन की बल्लेबाजी मजबूत

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शस्त्री का मानना है कि टीम प्रबंधन को अभिषेक शर्मा का मनोबल बढ़ाना चाहिए और उन्हें अपनी क्षमता पर विश्वास रखने के लिए प्रेरित करना चाहिए। उनके अनुसार खिलाड़ी को यह भरोसा दिलाना जरूरी है कि टीम उसके साथ खड़ी है और उसे अपनी ताकत के अनुसार खेलना चाहिए। शास्त्री ने उम्मीद जताई कि न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाला फाइनल मुकाबला अभिषेक शर्मा के लिए टूर्नामेंट का सबसे बेहतरीन मैच साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि जब टीम अच्छा प्रदर्शन कर रही हो तो उसमें बदलाव करने की जरूरत नहीं होती। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शस्त्री का मानना है कि संजु सैमसन बल्लेबाजी के दौरान अब पहले से अधिक मानसिक रूप से मजबूत हो गए हैं और यही बदलाव उनके हालिया प्रदर्शन में साफ दिखाई दे रहा है। शास्त्री के अनुसार टी20 विश्व कप में सैमसन के बेहतर नतीजों के पीछे उनकी बढ़ी हुई एकाग्रता और बेहतर शॉट चयन बड़ी वजह है। शास्त्री ने कहा कि सैमसन के पास हर तरह के शॉट खेलने की क्षमता है, लेकिन पहले अक्सर उनकी एकाग्रता में कमी देखने को मिलती थी। उनका मानना है कि अब सैमसन को इस बात का एहसास हो गया है कि उन्हें अपनी बल्लेबाजी के दौरान ज्यादा फोकस और समझदारी दिखानी होगी। उन्होंने कहा कि सैमसन को अपनी ताकत पर भरोसा रखते हुए उसी के अनुसार बल्लेबाजी करनी चाहिए। पूर्व कोच के मुताबिक सैमसन की प्रतिभा पर कभी किसी को संदेह नहीं रहा, लेकिन अब वह मानसिक रूप से भी काफी मजबूत नजर आ रहे हैं। शास्त्री ने कहा कि जब कोई बल्लेबाज क्लास, टच और पावर के साथ शॉट लगाता है तो उसकी बल्लेबाजी देखने में बेहद शानदार लगती है और सैमसन में यह सभी खूबियां मौजूद हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सैमसन अभी केवल 31 वर्ष के हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन अभी बाकी है।

टी20 में डेथ ओवर्स के अविश्वसनीय मास्टर हैं जसप्रीत बुमराह

एजेंसी, नई दिल्ली

टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 में डेथ ओवर्स में अपनी काबिलियत का लोहा मनवाया है। इंग्लैंड के खिलाफ हाई-स्कोरिंग सेमीफाइनल में बुमराह ने साबित कर दिया कि उनके मुकाबले डेथ ओवर्स में कोई टिक नहीं सकता। उनके ओवरों की गति, सटीक लाइन और बल्लेबाजों को कमाल की चुनौती देना उन्हें टी20 क्रिकेट का सबसे खतरनाक गेंदबाज बनाता है। टी20 वर्ल्ड कप 2024 से लेकर 2026 के सेमीफाइनल तक बुमराह ने 9 मैचों में डेथ ओवर्स की जिम्मेदारी संभाली। इन 14 ओवरों में उन्होंने केवल एक छक्का खाया और 9 विकेट भारत को दिलाए। 82 गेंदों में उन्होंने विपक्षी टीमों को केवल 60 रन बनाने दिए, जिससे उनका इकॉनमी रेट महज 4.39 रहा। यह आंकड़ा इस बात का प्रमाण है कि उनके सामने कोई भी बल्लेबाज आसानी से रन नहीं बना सकता। खास बात यह है कि उन्होंने पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसी मजबूत टीमों के खिलाफ भी यह रिकॉर्ड कायम रखा। डेथ ओवर्स में आमतौर पर रन रेट 10 या उससे अधिक होता है, लेकिन बुमराह ने इसे पूरी तरह नियंत्रण में रखा। आईपीएल में बुमराह की कीमत और भी चर्चा का विषय रही है। मुंबई इंडियंस ने हमेशा उन्हें रिटेन किया, इसलिए ऑक्शन में उनका नाम कभी नहीं आया। अगर वे मेगा ऑक्शन में उपलब्ध होते, तो उनकी कीमत 30 करोड़ रुपये तक पहुंच सकती थी। आईपीएल 2025 से पहले उन्हें मुंबई इंडियंस से 20 करोड़ रुपये से कम में रिटेन किया गया था। बुमराह की यह विशेषज्ञता किसी भी टीम के लिए भारी साबित हो सकती थी। सेमीफाइनल में उनके हर ओवर ने टीम इंडिया को निर्णायक समय पर मजबूती दी। डेथ ओवर्स में उनका दबदबा भारत की जीत में अहम भूमिका निभाता है। जसप्रीत बुमराह के लगातार शानदार प्रदर्शन ने उन्हें न केवल भारत की टीम में बल्कि विश्व क्रिकेट में भी डेथ ओवर्स का सबसे खतरनाक गेंदबाज बना दिया है। उनकी क्षमता, संयम और अनुभव टीम इंडिया के लिए मैच जीतने का बड़ा हथियार है।

मैकुलम के बचाव में उतरे ब्रूक

एजेंसी, मुंबई

इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान हैरी ब्रुक ने टीम के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम का समर्थन करते हुए कहा है कि टीम विश्वकप से बाहर होने बाद भी उन्हें पद पर बनाये रखना चाहेगी। ब्रुक ने कहा कि सभी खिलाड़ी कोच के मार्गदर्शन से प्रेरित हैं और चाहेंगे कि वह टीम के साथ बने रहें। वहीं सेमीफाइनल मुकाबले में इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय टीम के हाथों मिली हार के बाद आलोचकों ने कोच पर सवाल उठाये हैं और उनकी आक्रामक रणनिति की समीक्षा की बात कही है। हार के बाद सबसे ज्यादा आलोचना मैकुलम की ही हुई है। यहां तक कि उनके भविष्य पर भी सवाल उठने लगे हैं। वहीं ब्रूक उनके बचाव में उतरें है। ब्रूक चाहते हैं कि मैकुलम अपने पद पर बने रहें। ब्रूक ने कहा कि अगर ईसीबी ब्रेंडन मैकुलम को हेड कोच बनाए रखने के बारे में उनकी राय पूछेगी तो वह उनके पक्ष में रहेंगे।ब्रूक ने कहा, जिस तरह से वह सबसे बात करते हैं, जिस तरह से ड्रेसिंग रूम में उनका अपना एक आभामंडल है, हर कोई उनसे प्रेरणा लेता है। पिछले चार सालों में उन्होंने जो कुछ किया है, उसने इंग्लिश क्रिकेट काफी लाभ भी हुआ है। ब्रुक का समर्थन मिलने से कोच के रूप में मैकुलम के भविष्य को एक मजबूत सहारा जरुर मिला है। अब देखना होगा कि इंग्लैंड बोर्ड (ईसीबी) मैकुलम पर क्या फैसला लेती है। गौरतलब है कि टी20 विश्व कप में इंग्लैंड का प्रदर्शन सामान्य शुरुआत के बाद अच्छा रहा। पहले मैच में नेपाल के खिलाफ करीबी जीत के बाद टीम को वेस्टइंडीज के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन इसके बाद इंग्लैंड बिना कोई मैच हारे सुपर-8 में जगह बनाई। सुपर-8 में इंग्लैंड ने पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और श्रीलंका को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी पर सेमीफाइनल में 7 रनों से हार गयी।

फाइनल से पहले न्यूजीलैंड के ग्लेन फिलिप्स ने दी जसप्रीत बुमराह को चुनौती

एजेंसी, नई दिल्ली

नई दिल्ली (ईएमएस)। न्यूजीलैंड के खिलाड़ी ग्लेन फिलिप्स ने कहा है कि भारतीय तेज गेंदबाजी के स्टार जसप्रीत बुमराह विश्व स्तरीय गेंदबाज हैं, लेकिन उनका भी कभी-कभी प्रदर्शन कमजोर हो सकता है। फिलिप्स ने यह बयान रविवार को टी20 विश्व कप 2026 के फाइनल से पहले दिया, जिसमें भारत और न्यूजीलैंड आमने-सामने होंगे। फिलिप्स ने बुमराह की प्रशंसा करते हुए कहा, बुमराह एक शानदार गेंदबाज हैं। उनके पास कई तरह के वैरिएशन हैं और वह डेथ ओवरों में बेहतरीन प्रदर्शन करते हैं। लेकिन वह भी इंसान हैं और कभी-कभी उनका दिन खराब हो सकता है। हमारी टीम यही उम्मीद रखती है कि फाइनल में कुछ मौके हमें मिलेंगे, जिनका हम पूरा फायदा उठाएंगे। फिलिप्स ने इंग्लैंड के पिछले मुकाबले का उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे इंग्लैंड ने अंतिम ओवरों में बुमराह के खिलाफ आक्रामक खेल खेला और खुद को जीत का मौका बढ़ाया। फिलिप्स ने कहा, इंग्लैंड ने बुमराह के खिलाफ सही रणनीति अपनाई थी और आखिरी दो ओवरों में उनके ऊपर दबाव बनाया। हमें भी फाइनल में उनके किसी भी चूक का फायदा उठाना होगा। फिलिप्स ने यह भी कहा कि न्यूजीलैंड के पास खिलाड़ियों की संख्या भारत की तुलना में कम है, लेकिन टीम का हाई परफॉर्मेंस प्रोग्राम विशेष रूप से तैयार किया गया है ताकि सीमित संसाधनों के बावजूद टीम अच्छा प्रदर्शन कर सके। उन्होंने अहमदाबाद की आबादी का जिक्र करते हुए कहा कि भारत की आबादी लगभग 9.3 मिलियन है, जबकि न्यूजीलैंड की कुल आबादी केवल 5.36 मिलियन है, जो टीम के लिए चुनौतीपूर्ण माहौल बनाता है। गौरतलब है कि टी20 विश्व कप 2026 का फाइनल 8 मार्च को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। भारत ने सेमीफाइनल में इंग्लैंड को 7 रनों से हराकर खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया था, जबकि न्यूजीलैंड ने साउथ अफ्रीका को सिर्फ 12.5 ओवर में 170 रन का लक्ष्य चेज कर हराकर फाइनल में जगह बनाई। फाइनल से पहले बुमराह और न्यूजीलैंड के बीच यह मानसिक टकराव मैच को और रोमांचक बनाने वाला है।

व्यापार

सोना 3 दिन में 8720 सस्ता, 1.59 लाख पर आया:चांदी 29,125 गिरकर 2.61 लाख पर आई, 36 दिन में 1.25 लाख सस्ती हुई

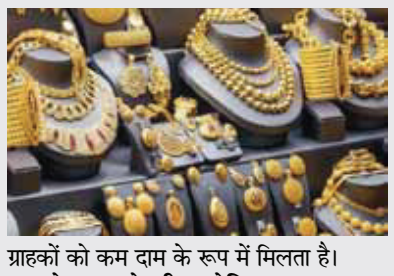

नई दिल्ली। सोने और चांदी के दामों में आज यानी 6 मार्च (शुक्रवार) को लगातार तीसरे दिन गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,835 रुपए घटकर 1,58,751 पर आ गया है। इससे पहले गुरुवार को इसकी कीमत 1,60,586 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। सोना 3 दिन में 8,720 सस्ता हुआ है। वहीं एक किलो चांदी 3,489 रुपए गिरकर 2,60,723 पर आ गई है। इससे पहले इसकी कीमत 2,64,212 लाख रुपए प्रति किलो थी। ये 3 दिन में 29,125 रुपए सस्ती हुई है। सोना-चांदी के दाम में ये गिरावट प्रॉफिट बुकिंग की वजह से आई है।

अलग-अलग शहरों में सोने के दाम अलग होने की 4 वजहें- ट्रांसपोर्टेशन और सिक्योरिटी: सोना एक शहर से दूसरे शहर ले जाने में ईंधन और भारी सुरक्षा का खर्च आता है। आयात केंद्रों से दूरी बढ़ने पर ट्रांसपोर्टेशन कॉस्ट बढ़ जाती है, जिससे स्थानीय दाम बढ़ जाते हैं।

खरीदारी की मात्रा : दक्षिण भारत जैसे इलाकों में खपत ज्यादा (करीब 40%) होने के कारण ज्वेलर्स भारी मात्रा में सोना खरीदते हैं। बल्क खरीदारी पर मिलने वाली छूट का फायदा ग्राहकों को कम दाम के रूप में मिलता है।

लोकल ज्वेलरी एसोसिएशन: हर राज्य और शहर के अपने ज्वेलरी एसोसिएशन (जैसे तमिलनाडु में मद्रास ज्वेलर्स एसोसिएशन) होते हैं। ये संगठन स्थानीय मांग और सप्लाई के आधार पर अपने इलाके के लिए सोने का रेट तय करते हैं।

पुराना स्टॉक और खरीद मूल्य: ज्वेलर्स ने अपना स्टॉक किस रेट पर खरीदा है, यह भी मायने रखता है। जिन ज्वेलर्स के पास पुराने और सस्ते रेट पर खरीदा हुआ स्टॉक होता है, वे ग्राहकों से कम कीमत वसूल सकते हैं।

ऑल टाइम हाई से 1.25 लाख रुपए गिरी चांदी- इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। 31 दिसंबर 2026 को सोने के दाम 1.33 लाख रुपए थे, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपए के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए थे। तब से अब तक सोना 17,370 रुपए सस्ता हो चुका है। वहीं, चांदी के कीमत 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए थी, जो 29 जनवरी को 3.86 लाख रुपए के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई थी। तब से अब तक 36 दिन में चांदी 1,25,210 लाख रुपए सस्ती हो गई है।

ज्वेलर्स से सोना खरीदते समय इन 2 बातों का रखें ध्यान:-

1. सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें: हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- AZ4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है।

2. कीमत क्रॉस चेक करें: सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है।

सेंसेक्स और निफ्टी में दिखा एक साल से भी ज्यादा का दबाव

- कमजोर ग्लोबल संकेतों, गिरते रुपये और एफआईआई की लगातार बिकवाली ने बाजार में दबाव बढ़ाया

मुंबई। इस हफ्ते 6 मार्च को समाप्त भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों के लिए चुनौतीपूर्ण समय रहा। बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी दोनों में लगातार गिरावट देखी गई, जिससे निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता प्रभावित हुई। कमजोर ग्लोबल संकेतों, गिरते रुपये और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लगातार बिकवाली ने बाजार में दबाव बढ़ाया। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव ने भी निवेशकों की चिंता को बढ़ाया। परिणामस्वरूप हफ्ते के अंत में सेंसेक्स और निफ्टी गिरावट के साथ बंद हुए। बीते सप्ताह होली के अवसर पर शेयर बाजार 3 मार्च को बंद रहा, जिसकी वजह से घरेलू शेयर बाजार में एक दिन कम कारोबार हुआ। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को ही बाजार लाल निशान में शुरू हुआ। शुरुआती सत्र में भारी बिकवाली से सेंसेक्स 1,048.34 अंक गिरकर 80,238.85 अंक पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 312.95 अंक की गिरावट के साथ 24,865.70 पर बंद हुआ। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष और वैश्विक बाजारों से मिले कमजोर संकेत निवेशकों की सतर्कता को बढ़ाने वाले मुख्य कारण रहे। बुधवार को भी स्थिति अनुकूल नहीं रही। सेंसेक्स 1,122.66 अंक गिरकर 79,116.19 पर और निफ्टी 385.20 अंक गिरकर 24,480.50 पर बंद हुआ। हालांकि गुरुवार को वैश्विक बाजारों में उछाल और एक दिन की राहत के कारण बाजार हरे निशान में कारोबार करता दिखा। सेंसेक्स 899.71 अंक बढ़कर 80,015.90 पर और निफ्टी 285.40 अंक की तेजी के साथ 24,765.90 पर बंद हुआ। शुक्रवार को फिर से बाजार दबाव में आया। अमेरिकी बाजारों की कमजोरी और एफआईआई की बिकवाली ने सेंसेक्स 1,097 अंक गिराकर 78,918.90 पर और निफ्टी 315.45 अंक गिराकर 24,450.45 पर बंद कराया। इस तरह सप्ताह के अंत तक निवेशकों में सतर्कता और जोखिम से बचने की प्रवृत्ति साफ तौर पर दिखाई दी।

पाकिस्तान में पेट्रोल-डीजल 55 रुपए महंगा:पेट्रोल 336 और डीजल 321 रुपए लीटर हुआ, अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का असर

नई दिल्ली। पाकिस्तान में पेट्रोल-डीजल में किल्लत के डर से पेट्रोल पंपों पर भारी भीड़ लग गई। पाकिस्तान में पेट्रोल-डीजल में किल्लत के डर से पेट्रोल पंपों पर भारी भीड़ लग गई। पाकिस्तान ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में करीब 20% की बढ़ोतरी की है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 55 रुपए (पाकिस्तानी रुपया) प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की गई है। इस बढ़ोतरी के बाद पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमत अब 335.86 रुपए प्रति लीटर हो गई है। वहीं डीजल 321.17 रुपए प्रति लीटर के स्तर पर पहुंच गया है। सरकार का तर्क है कि अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग व मिडिल ईस्ट में तनाव के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम तेजी से बढ़े हैं, जिसकी वजह से यह फैसला लेना पड़ा।

घरेलू सिलेंडर के दाम 60 रुपए बढ़े:ईरान जंग से रसोई गैस की किल्लत की आशंका; सरकार का LPG प्रोडक्शन बढ़ाने का आदेश

नई दिल्ली। सरकार ने कहा- रिफाइनरी कंपनियां प्रोपेन और ब्यूटेन का इस्तेमाल सिर्फ रसोई गैस बनाने के लिए करें। सरकार ने कहा- रिफाइनरी कंपनियां प्रोपेन और ब्यूटेन का इस्तेमाल सिर्फ रसोई गैस बनाने के लिए करें। केंद्र सरकार ने घरेलू गैस सिलेंडर 60 रुपए महंगा कर दिया है। दिल्ली में 14.2 किलोग्राम की LPG गैस अब 913 रुपए की मिलेगी। पहले यह 853 रुपए की थी। वहीं 19 किग्रा वाले कॉमर्शियल सिलेंडर में 115 रुपए का इजाफा किया गया है। यह अब 1883 रुपए का मिलेगा। बढ़ी हुई कीमतें 7 मार्च से लागू हो गई है। इससे पहले सरकार ने 8 अप्रैल 2025 को घरेलू सिलेंडर के दामों में 50 रुपए का इजाफा किया था। यानी ये बढ़ोतरी करीब एक साल बाद की गई है। वहीं 1 मार्च 2026 को कॉमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम 31 रुपए तक बढ़ाए गए थे। सरकार ने गैस के दामों में बढ़ोत्तरी ऐसे वक्त की है जब अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग के चलते देश में गैस किल्लत की आशंका जताई गई है।

सिलेंडर की किल्लत रोकने के लिए LPG उत्पादन बढ़ाने का आदेश- सरकार ने 5 मार्च को इमरजेंसी पावर इस्तेमाल करते हुए देश की सभी ऑयल रिफाइनरी कंपनियों को एलपीजी उत्पादन बढ़ाने का आदेश दिया था। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव से गैस की सप्लाई प्रभावित हो सकती है। इसी खतरे को देखते हुए सरकार ने यह आदेश जारी किया। इसमें कहा गया है कि अब रिफाइनरियां प्रोपेन और ब्यूटेन का इस्तेमाल सिर्फ रसोई गैस बनाने के लिए करेंगी। सभी कंपनियों को प्रोपेन और ब्यूटेन की सप्लाई सरकारी तेल कंपनियों को करनी होगी। सरकारी तेल कंपनियों में इंडियन ऑयल (IOC), हिंदुस्तान पेट्रोलियम (HPCL) और भारत पेट्रोलियम (BPCL) शामिल है। इसका मकसद कंज्यूमर्स को बिना रुकावट गैस सिलेंडर की सप्लाई है।

रूस से कच्चा तेल खरीद सकेगा भारत:ईरान जंग के कारण अमेरिका ने 3 अप्रैल तक रियायत दी, क्रूड ऑयल की कीमत 89 डॉलर के पार

नई दिल्ली। मिडिल-ईस्ट युद्ध के कारण कच्चा तेल 89 डॉलर के पार चला गया है। मिडिल-ईस्ट युद्ध के कारण कच्चा तेल 89 डॉलर के पार चला गया है। भारत में पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने का संकट फिलहाल खत्म हो गया है, क्योंकि भारत को रूस से कच्चा तेल खरीदने की शर्तों के साथ छूट मिल गई है। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने भारतीय रिफाइनरियों को 30 दिन का स्पेशल लाइसेंस दिया है। ये लाइसेंस 3 अप्रैल तक वैलिड रहेगा। अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने 6 मार्च को बताया कि राष्ट्रपति ट्रम्प के ऊर्जा एजेंडे के तहत यह अस्थायी कदम उठाया गया है। उन्होंने कहा कि भारत अमेरिका का एक महत्वपूर्ण पार्टनर हैं और ग्लोबल मार्केट में तेल की सप्लाई को स्थिर रखने के लिए यह छूट दी गई है। इस बीच ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत आज 4% बढ़कर 89.18 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई है। यह अप्रैल 2024 के बाद इसका उच्चतम स्तर है।

अमेरिका से भी तेल खरीद बढ़ने की उम्मीद- बेसेंट ने कहा कि ईरान ग्लोबल एनर्जी मार्केट को बंधक बनाने की कोशिश कर रहा है। इस दबाव को कम करने के लिए हम भारत को यह 30 दिनों की छूट दे रहे हैं। उन्होंने कहा- हमें ये उम्मीद है कि इसके बाद भारत अमेरिकी तेल की खरीद में तेजी लाएगा।

डिजिटल फ्रॉड होने पर 25,000 तक का मुआवजा मिलेगा:RBI का नया ड्राफ्ट फ्रेमवर्क तैयार, 6 अप्रैल तक इस पर सुझाव मांगे

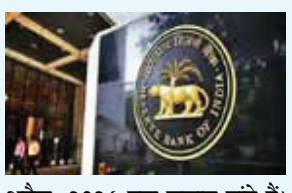

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने डिजिटल ट्रांजैक्शन में होने वाले फ्रॉड से ग्राहकों को बचाने के लिए नया ड्राफ्ट फ्रेमवर्क 'कस्टमर लायबिलिटी इन डिजिटल ट्रांजैक्शंस' जारी किया है। इसके तहत अगर किसी ग्राहक के साथ डिजिटल धोखाधड़ी होती है और वह इसकी तुरंत रिपोर्ट करता है, तो उसे 25,000 रुपए तक का मुआवजा मिल सकता है। नए नियमों का उद्देश्य बैंक शिकायतों के निपटारे में लगने वाले समय को कम करना और छोटे मूल्य के फ्रॉड के लिए एक बेहतर मुआवजा मैकेनिज्म तैयार करना है। आरबीआई ने इस ड्राफ्ट पर जनता और स्टेकहोल्डर्स से 6 अप्रैल, 2026 तक सुझाव मांगे हैं। इसके बाद सरकार इसे लागू करेगी।

फ्रॉड की रकम का 85% तक वापस मिल सकेगा- प्रस्तावित नियमों के अनुसार, यदि 50,000 रुपए तक का डिजिटल फ्रॉड होता है और ग्राहक समय पर इसकी सूचना देता है, तो उसे नुकसान का 85% या 25,000 (जो भी कम हो) वापस मिल सकता है। RBI का मानना है कि इससे न केवल ग्राहकों का भरोसा बढ़ेगा, बल्कि डिजिटल पेमेंट ईकोसिस्टम और भी सुरक्षित होगा। यह मुआवजा मैकेनिज्म लागू होने की तारीख से एक साल तक प्रभावी रहेगा, जिसके बाद इसके अनुभवों के आधार पर इसकी समीक्षा की जाएगी।

उदाहरण से समझें फ्रॉड होने पर कितना पैसा वापस मिलेगा:-

पहली स्थिति : अगर 10,000 का फ्रॉड हुआ, तो 85% के हिसाब से 8,500 वापस मिलेंगे।

दूसरी स्थिति : अगर 40,000 का फ्रॉड हुआ, तो 85% के हिसाब से 34,000 बनते हैं, लेकिन लिमिट 25,000 है, इसलिए 25,000 ही मिलेंगे।

मोटी कहकर गाने से निकाला... Dhurandhar एक्ट्रेस

आयशा खान

का चौंकाने वाला खुलासा

धुरंधर के गाने 'शरारत' में नजर आईं एक्ट्रेस आयशा खान ने अपने डांस मूव्ज की वजह से खूब तारीफें बटोरी थीं. इस गाने ने आयशा खान को रातोंरात पॉपुलर कर दिया. लेकिन बॉलीवुड में आना एक्ट्रेस के लिए इतना आसान नहीं था. इससे पहले आयशा खान को रिजेक्शन भी झेलना पड़ा था. हाल ही में आयशा खान ने बताया कि उन्हें मोटी होने की वजह से एक गाने से हटा दिया गया था. साथ ही एक्ट्रेस ने सेलेब्रिटी होने की नेगेटिव साइड के बारे में भी बात की और बताया कि उन्हें रोज अलग-अलग धमकियां मिलती हैं. आयशा खान ने बॉडी-शेमिंग, ऑनलाइन अब्यूज और इंडस्ट्री के कड़े स्टैंडर्ड्स से बचने के बारे में खुलकर बात की.

आयशा खान ने एक हालिया इंटरव्यू में बताया कि शूटिंग शुरू होने से ठीक पहले उन्हें टी-सीरीज़ के एक बड़े गाने से 'मोटी होने' की वजह से हटा दिया गया था. उन्होंने खुसासा किया कि उन्हें लगभग हर दिन रेप की धमकियां मिलती रहती हैं. एक्ट्रेस का कहना है कि उन्हें हर दिन

हर चीज के लिए ट्रोल किया जाता है, चाहे उनके कपड़े हों या फिर उनकी कोई फोटो-वीडियो.

शूटिंग के बावजूद गाने से निकाला

आयशा खान ने खुलासा किया उन्हें एक गाने के लिए फाइनल कर लिया गया था और वो शूटिंग की तैयारी कर रही थीं. तभी उन्हें अचानक 'ओवर वेट' कहकर निकाल दिया गया था. खान ने बताया कि ये घटना उनके मशहूर होने से बहुत पहले की है. जब वो टीनएजर थीं और उनके करियर का शुरुआती दौर था, तो उनसे कहा गया कि वो अब टी-सीरीज के गाने के लिए रिक्वायर्ड इमेज में फिट नहीं बैठतीं. ये रिजेक्शन सालों तक उनके साथ रहा. इसी बीच उन्होंने फेम के डार्क साइड के बारे में भी बताते हुए कहा कि ऑनलाइन हैरेसमेंट लगभग रोज की सच्चाई बन गई है. एक्ट्रेस होंने कहा, ये बहुत डरावना है.

ऑनलाइन ट्रोलिंग पर बोलीं आयशा खान

आयशा खान ने ऑनलाइन अब्यूज के बारे में बात करते हुए बताया कि इंस्टाग्राम पर उन्हें लगभग हर दिन सेक्शुअलाइज किया जाता है, चाहे उन्होंने कुछ भी पहना हो. वो अक्सर पोस्ट करने से पहले काफी सोचती हैं कि क्या इस पोस्ट को शेयर करने के बाद इन भद्दे कमेंट्स का सामना करने के लिए तैयार हैं. एक्ट्रेस ने कहा, सोशल मीडिया पर हर रोज मेरे शरीर के लेकर अभद्र कमेंट्स का सामना करना होता है. एक नॉर्मल सा टॉप भी पहनती हूं तो लोगों के रिएक्शन का डर रहता है.

सेल्फी लेना चाहता था फैन, खेसारी लाल यादव ने दिया धक्का, लोग बोले- घमंड हो गया है

भोजपुरी के सितारे आए दिन किसी न किसी वजह से चर्चा में बने रहते हैं. कभी एक दूसरे से झगड़े को लेकर तो कभी, अपनी किसी विवादित हरकत के चलते, ये सितारे हमेशा सुर्खियां बटोल लेते है. इसी तरह अब भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार खेसारी लाल यादव चर्चा में हैं. एक इवेंट से उनका एक वीडियो जमकर वायरल हो रहा है. वीडियो में खेसारी अपने एक फैन के साथ ऐसी हरकत करते दिखाई दे रहे हैं, जो उनका बाकी फैंस को नागवार गुज़र रही है.

हाल ही में खेसारी लाल यादव पटना में हुए एक इवेंट में शामिल हुए थे. इस इवेंट में उनके साथ-साथ यूट्यूबर एल्विश यादव और भोजपुरी एक्ट्रेस और बिग बॉस फेम नीलम गिरी भी पहुंची थीं. इवेंट से कई वीडियो वायरल हुए, ये सभी सितारे फैंस का मनोरंजन करते हुए दिखाई दिए. पर एक वीडियो में खेसारी के व्यवहार ने फैंस को हैरान कर दिया.

खेसारी ने फैन को दिया धक्का

वायरल हो रहे वीडियो दिख रहा है कि इवेंट के दौरान खेसारी लाल यादव किनारे जाते हैं और पानी पीने के लिये एक कुर्सी पर बैठते हैं. उनके हाथ में पानी की बोतल भी नज़र आ रही है. तभी एक शख्स फोन लेकर उनके करीब आता है और एक सेल्फी लेने की कोशिश करता है. वो खेसारी से तस्वीर खिंचवाने की गुजारिश करता है लेकिन खेसारी अपने हाथ से उसे धकेल देते हैं. इसके बाद वहां मौजूद सुरक्षाकर्मी खेसारी के उस फैन को वहां से हटा देते हैं. वहीं खेसारी भी गुस्से में कुछ बोलते दिखाई देते हैं. हालांकि वो क्या कहते हैं ये वीडियो में सुनाई नहीं दे रहा है.

फैंस भड़के

इस वायरल वीडियो में खेसारी के पास ही नीलम गिरी भी नज़र आ रही हैं. आस पास सैकड़ों लोग हैं और सभी इन सितारों की एक झलक के इंतज़ार में दिखाई दे रहे हैं. वीडियो पर कई लोग कमेंट कर के अपनी नाराजगी जाहिर कर रहे हैं. एक यूज़र ने लिखा, खेसारी को घमंड हो गया है. एक ने लिखा, खेसारी भैया आपसे ये उम्मीद नहीं थी. बेचारे को एक फोटो दे देते, उसको धक्का देने की क्या जरूरत थी. वहीं कुछ यूजर्स का कहना है कि खेसारी ने वहां कई लोगों के साथ तस्वीर खिंचवाई होगी, लेकिन एक को मना कर दिया तो वीडियो वायरल हो रहा है. कई फैंस का कहना है कि वो बस बैठकर पानी पीना चाहते थे.

पैरेंट्स को बताने की हिम्मत... ब्रेस्ट कैंसर से पीड़ित हैं एक्ट्रेस राजश्री देशपांडे, शेयर किया हेल्थ अपडेट

फिल्मों और टीवी में नजर आने वाले एक्टर राजश्री देशपांडे ने हाल ही में फैंस संग एक दुखद खबर शेयर की है. उन्होंने अस्पताल के बेड से अपनी फोटो शेयर की है साथ ही ये जानकारी साझा की है कि उन्हें अर्ली स्टेज का ब्रेस्ट कैंसर है. एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया के जरिए पोस्ट शेयर की है और अपनी मौजूदा हालात के बारे में बताया है. उन्होंने डॉक्टर्स की टीम का शुक्रिया किया है जो इस मुश्किल वक्त में उनका साथ दे रहे हैं. एक्ट्रेस की ओर से आई इस अचानक खबर से इंडस्ट्री भी शॉक्ड है और सभी उनके जल्द ठीक होने की कामना कर रहे हैं.

एक्ट्रेस ने अस्पताल से फोटो शेयर की है जिसमें वे पॉजिटिव एक्सप्रेशन देती नजर आ रही हैं. फोटो के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा- जैसा कि आप इस पोस्ट को पढ़ रहे हैं इसका ये मतलब है कि फाइनली मैंने अपने पैरेंट्स को ये बताने की हिम्मत जुटा ली है कि मैं ग्रेड 1 के इनफिलट्रेटिंग डक्टल कार्किनोमा कैंसर से पीड़ित हूं. अब आप सभी से मैं ये शेयर कर रही हूं. इत्तेफाक से ये रूटिन चेकअप के दौरान पहले ही पकड़ में आ गया. कई सारे टेस्ट्स और सर्जरी किसी रोलरकोस्टर राइड से कम नहीं थी. लेकिन सभी के प्यार और गर्मजोशी ने मुझे संभाला. सर्जरी के बाद अपने माता-पिता का चेहरा देख मुझे कभी ना टूटने वाला बल मिला. सभी लोगों के समर्थन से मुझे ऐसा लग रहा है कि मेरी रिकवरी अच्छी जा रही.

मैं बहुत जल्दी रिकवर कर रही हूं...

एक्ट्रेस ने आगे कहा- मैं बहुत जल्दी रिकवर कर रही हूं और बहुत जल्द अस्पताल से घर जा सकती हूं. डॉक्टर मंदर नदकर्नी की एक्सपर्टीज और केयर ने इस जर्नी को आसान और आरामदायक बना दिया. आपका प्यार मेरे लिए सबसे बड़ी दवाई है. अब हीलिंग का समय है और उम्मदी करते हैं आगे के दिन उज्जवल होंगे. एक्ट्रेस को कई सारे कलाकारों की वेल विशेज भी आ रही हैं. एक्टर आदर्श गौरव ने लिखा- स्पीडी रिकवरी एंड प्रेयर्स. एक्ट्रेस लौरेन गोटलिब ने लिखा- आपको मेरी ओर से ढेर सारा प्यार. आप स्ट्रॉन्ग लेडी हो. इसके अलावा छाया कदम, श्रिया पिलगांवकर और तिलोत्मा शोम ने भी एक्ट्रेस का हौसला मुश्किल वक्त में बढ़ाया है.

एक्ट्रेस की बात करें तो राजश्री देशपांडे ने साल 2012 में आमिर खान की फिल्म तलाश से अपने करियर की शुरुआत की थी. इसके बाद से उन्होंने किक, हराम, मंटो, द स्काई इज पिंक, चोक्ड, जोरम और ठग लाइफ जैसी फिल्मों में काम किया है. इसके अलावा वे सैक्रेड गेम, द फेम गेम, ब्लैक वारेंट और रंगीन जैसी सीरीज में भी नजर आ चुकी हैं.

यूट्यूब पर मिले 503 मिलियन व्यूज, फिर भी Chikni Chameli जैसा गाना क्यों नहीं गाना चाहतीं

श्रेया घोषाल

ईरान और इजराइल के चलते यूएई के दुबई में भी ड्रोन अटैक हुआ. दुबई में इंडिया के कई सेलिब्रिटीज भी रहते हैं. इस वॉर के बीच कई लोग वहां फंसे हैं और कई वापस भी आ चुके हैं. हाल ही में बॉलीवुड एक्ट्रेस ईशा गुप्ता ने भी बताया कि वो इजराइल-अमेरिका और ईरान की जंग के बीच यूएई में फंस गई हैं. लेकिन अब एक्ट्रेस भारत वापस लौट गई हैं. इसकी जानकारी ईशा गुप्ता ने खुद अपने सोशल मीडिया पर फैंस के साथ शेयर की. एक्ट्रेस ने उस मुश्किल समय में एयरलाइन अधिकारियों, UAE सरकार और होटल स्टाफ के सपोर्ट के लिए उनका शुक्रिया भी अदा किया.

एक्ट्रेस ईशा गुप्ता हाल ही में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़े तनाव के दौरान यूनाइटेड अरब अमीरात में फंसी हुई थीं, लेकिन अब वो सुरक्षित भारत लौट आई हैं. इंडिया वापस लौटने के बाद ईशा गुप्ता ने अपने सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि वो सेफली घर वापस आ गई हैं और सभी की दुआओं के लिए शुक्रिया किया. एक्ट्रेस ने बताया कि जिस स्थिति में वो थीं, उसमें होना बहुत मुश्किल था.

ईशा गुप्ता ने दिया अपडेट

ईशा गुप्ता ने उस स्थिति के बारे में बताते हुए लिखा, ये तब शुरू हुआ जब मैं 28 तारीख (रविवार) को एयरपोर्ट पर थी. दोपहर 1 बजे तक एयरपोर्ट बंद हो गया था, चारों ओर अफरा-तफरी मच गई थी क्योंकि हममें से किसी को पता नहीं था कि क्या हुआ. फिर मिसाइल हमले की खबरें आने लगीं और किसी को नहीं पता था कि अगले मिनट हमारे लिए क्या होगा. सभी अजनबी एक-दूसरे को दिलासा दे रहे थे, सभी अपने परिवारों को घर पर फोन कर रहे थे.

UAE अथॉरिटीज की तारीफ

ईशा गुप्ता ने आगे कहा कि श्व अथॉरिटीज की जमकर तारीफ करते हुए कहा, यहां, मैं यह बताना चाहूंगी कि मैंने जो देखा वह श्व जैसे देश की ताकत थी. हम अबू धाबी एयरपोर्ट पर थे. ग्राउंड स्टाफ और एयरपोर्ट सिक्योरिटी तुरंत एक्शन में आ गए और पूरे समय शांत रहे, भले ही हम सब एक साथ इस सिचुएशन में थे.

मैंने तब तक खुद चेक-इन नहीं किया था, इसलिए मैं मुड़ी और अबू धाबी में अपने होटल वापस चली गई. नीचे वो कहानियां हैं जो हमने उस रात अपने होटल में बाद में मिले लोगों से सीधे सुनीं.

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली के कई इलाकों में दो दिन नहीं आएगा पानी, अभी कर लें स्टोर

दक्षिणी दिल्ली, एजेंसी। गर्मी से पहले बूस्टर पंप स्टेशन और अंडरग्राउंड रिजर्वायर की सफाई के चलते दक्षिणी दिल्ली के कई क्षेत्रों में अगले दो दिन पेयजल की सप्लाई प्रभावित रहेगी। दिल्ली जल बोर्ड के मुताबिक शुक्रवार को सीआर पार्क पाकेट-52, चिराग एन्क्लेव, हेमकुंट कालोनी, गोदावरी अपार्टमेंट, दक्षिणी पुरी व आस-पास, एमबी एक्सटेंशन बायपास रोड, खजूर रोड, मोलड़बंद एक्सटेंशन पहला-दूसरा व तीसरा 60 फुटा, बदरपुर विधानसभा, मदनपुर खादर व आली गांव, जंगपुरा, लाजपत नगर, भोगल, जीके-दो, मालवीय नगर, चिराग दिल्ली, ईस्ट आफ कैलाश व दयानंद कालोनी में जल सप्लाई प्रभावित रहेगी। वहीं शनिवार को बदरपुर विधानसभा, मदनपुर खादर व आली गांव, जंगपुरा, लाजपत नगर, भोगल, जीके-दो, मालवीय नगर, चिराग दिल्ली, ईस्ट आफ कैलाश, दयानंद कालोनी, ए ब्लाक-सीआर पार्क, कैलाश कुंज, माउंट कैलाश, डीडीए फ्लैट्स जसोला विहार, डीडीए एलआइजी व जनता फ्लैट्स बदरपुर, बदरपुर गांव, धन-धन मोहल्ला में पानी की आपूर्ति नहीं होगी। निवासियों से अपील है कि रोजमर्रा के कार्यों के लिए पर्याप्त मात्रा में जल संग्रहीत करके रख लें। वहीं वाटर इमरजेंसी के लिए जीके-एक के फोन नंबर-011-29234746, 29234747, जल सदन के 011-29819035, 29814106, सरिता विहार के 011-29941825, छतरपुर के 011-65437020 व सेंट्रल कंट्रोल रूम के नंबर 1916 पर संपर्क करें।

होली के हुड़दंग में दिल्ली के आवारा कुत्तों पर भारी पड़ी मस्ती, 100 से अधिक घायल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली वालों ने रंगों के पर्व होली पर खूब मस्ती की। खूब रंग गुलाल उड़े तो तेज संगीत पर जमकर मस्ती की। इस बीच, नशे में वाहन चलाने, पिटने व शराब पीला देने की घटनाओं से आवारा कुत्तों की जान मुश्किल में रही। दिल्ली भर में होली के पर्व में विभिन्न घटनाओं में आवारा कुत्तों के चोटिल होने व शराब पीला देने से तबियत बिगड़ने की 100 से अधिक घटनाएं हुई। जिनका विभिन्न पशु अस्पतालों या शेल्टर में इलाज किया गया। पशु प्रेमियों के अनुसार, ये घटनाएं ऐसी हैं, जो दर्ज की गई, बाकि बहुत सारे ऐसे मामले हैं जो इलाज तक भी नहीं पहुंच पाते हैं। संजय गांधी पशु रखाव केंद्र के एक कर्मी अजय ने बताया कि आम दिनों में आवारा कुत्तों के चोटिल होने के मामले 30 से 40 होते हैं। जबकि, होली के दिन यह मामले बढ़कर 80 से अधिक रहे हैं। बृहस्पतिवार को भी ऐसे मामले आते रहे। उनके अनुसार, वह यह नहीं कह सकते हैं कि दुर्घटना में चोटिल होने के सभी मामले होली में हुड़दंग से जुड़े हुए हैं, लेकिन दोगुनी संख्या इस ओर इशारा करती है, जिनमें से कई की हालत नाजुक है। इसी तरह, एक मामले में पिल्ले को शराब पीला देने का भी रहा, जिसके चलते दूसरे दिन भी उसकी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। दिल्ली के अन्य डाग शेल्टरों तथा अस्पतालों में इस तरह के मामले आए हैं। वहीं, पक्षियों के मामले में आंखों में रंग पड़ने जैसी घटनाएं हुई।

दिल्ली में वाहनों के कलपुर्जे चुराकर बेचने वाले गिरोह का पर्दाफाश, तीन आरोपी गिरफ्तार

पश्चिमी दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम जिला पुलिस ने चोरी के वाहनों के कलपुर्जे निकालकर उसे बेचने वाले गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से पुलिस ने चोरी की किआ सोनेट कार का ढांचा और उसके कलपुर्जे के साथ साथ कार की चोरी में इस्तेमाल ट्रक जब्त की है। पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त दरादे शरद भास्कर ने बताया कि जिले की वाहन चोरी निरोधक शाखा निरीक्षक मुकेश मीणा के नेतृत्व में वाहन चोरी की जानकारी हासिल कर रही थी। इसी बीच पुलिस को दो मार्च को मुखबिरों से सूचना मिली कि एक गिरोह सक्रिय है, जो चोरी के वाहनों के कलपुर्जे निकालकर उसे बेचता है। बदमाशों ने इसके लिए इसापुर गांव में एक गोदाम भी ले रखा है। इस सूचना पर तुरंत एक टीम गठित कर इसापुर खेड़ा गांव के उस गोदाम पर पुलिस ने छापा मारा। छापे के दौरान, गाड़ी के पार्ट्स खोलते समय तीन आरोपियों को मौके पर ही पकड़ लिया।

एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत युवाओं को मिलेगा मंच, युवा संगम का हिस्सा बनने के लिए रजिस्ट्रेशन की शुरुआत

नई दिल्ली , एजेंसी। देश के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के युवाओं के बीच आपसी समझ, सांस्कृतिक जुड़ाव और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने के उद्देश्य से केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने 'युवा संगम' कार्यक्रम के छठे चरण के लिए ऑनलाइन पंजीकरण शुरू कर दिया है।

यह पहल एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान के तहत संचालित की जा रही है। इसके माध्यम से युवाओं को देश की विविध संस्कृति, परंपराओं और विकास कार्यों को करीब से जानने का अवसर मिलेगा। उच्च शिक्षा विभाग की इस प्रमुख युवा आदान-प्रदान योजना में 18 से 30 वर्ष आयु वर्ग के युवा भाग ले सकते हैं। इसमें उच्च शिक्षण संस्थानों के छात्र, नेशनल सर्विस स्कीम के स्वयंसेवक, नेहरु युवा केंद्र संगठन से जुड़े युवा तथा विभिन्न क्षेत्रों के युवा पेशेवर आवेदन कर सकते हैं। इच्छुक प्रतिभागी आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण कर सकते हैं। इस कार्यक्रम के तहत चयनित युवाओं को अपने जोड़े गए राज्य या केंद्र शासित प्रदेश में पांच से सात दिनों के

शैक्षिक और सांस्कृतिक भ्रमण का अवसर दिया जाएगा। इस दौरान प्रतिभागियों को स्थानीय संस्कृति, पर्यटन स्थलों, विकास परियोजनाओं, तकनीकी नवाचारों और शैक्षणिक संस्थानों से परिचित कराया जाएगा।

देश की विविधता और विकास देखेंगे : कार्यक्रम को पांच प्रमुख विषयों जैसे पर्यटन, परंपरा एवं संस्कृति, प्रगति एवं सुशासन, पारस्परिक संपर्क और प्रौद्योगिकी एवं नवाचार पर आधारित किया गया है। इन विषयों के माध्यम से युवाओं को देश की विविधता और विकास की झलक प्रत्यक्ष रूप से देखने और समझने का अवसर मिलेगा। पिछले चरण में देशभर से 46 हजार से अधिक युवाओं ने पंजीकरण कराया था। वहीं अब तक छह हजार से अधिक युवा और समन्वयक इस कार्यक्रम के विभिन्न चरणों में भाग ले चुके हैं। इस बार देशभर के 22 उच्च शिक्षण संस्थानों को नोडल संस्थान के रूप में चुना गया है, जो इस आदान-प्रदान कार्यक्रम की मेजबानी करेंगे।

दिल्ली के 56 प्राइवेट अस्पतालों में गरीबों का फ्री इलाज

एक साल में 8 लाख ईडब्ल्यूएस मरीजों को मिल चुका लाभ

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी के निजी अस्पतालों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के आठ लाख से अधिक मरीजों को फरवरी 2025 से जनवरी 2026 के दौरान निश्शुल्क उपचार मिला। सरकार ने इसके लिए दिल्ली के 56 निजी अस्पतालों को चिह्नित किया है। बृहस्पतिवार को यह जानकारी दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज सिंह ने दी। उन्होंने व्यवस्था को सुनिश्चित बनाए रखने के लिए स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय कड़े निर्देश दिए हैं। उन्होंने निजी अस्पतालों में ईडब्ल्यूएस उपचार से जुड़े नियमों का कड़ाई से पालन कराने व नियमित निगरानी का आदेश दिया है।

बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को इस योजना का लाभ मिले इसके लिए दिल्ली सरकार पहले ही ईडब्ल्यूएस श्रेणी के तहत निश्शुल्क उपचार की आय सीमा को दो लाख 20 हजार से बढ़ाकर पांच लाख रुपये कर चुकी है। चेतावनी दी कि व्यवस्था बनाए रखने के लिए वह अस्पतालों का निरीक्षण, रिकॉर्ड की जांच और मरीजों से सीधे फीडबैक लेकर व्यवस्था की समीक्षा भी करेंगे। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में राजधानी के प्रत्येक नागरिक को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि 2025-26 (फरवरी 2025 से जनवरी 2026) के दौरान दिल्ली के चिंहित निजी अस्पतालों में ईडब्ल्यूएस श्रेणी के आठ लाख 74 हजार 867 मरीजों को बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) में तथा 57 हजार 102 मरीजों को आंतरिक रोगी विभाग (आईपीडी) में निश्शुल्क उपचार प्रदान किया गया। इससे पहले वर्ष 2024-25 (अप्रैल 2024 से जनवरी 2025) के दौरान सात लाख 23 हजार 271 मरीजों को ओपीडी उपचार और 41 हजार 900 मरीजों को आईपीडी उपचार की सुविधा मिली थी। निजी अस्पतालों में ईडब्ल्यूएस मरीजों के लिए रीयलटाइम बेड ऑक्यूपेंसी स्थिति देखने के लिए ऑनलाइन पोर्टल शुरू किया गया है।

ड्रोन हमलों और दहशत के बीच गुजारीं रातें, उड़ानें बंद होने से दुबई में फंसा हनीमून कपल लौटा दिल्ली

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के कारण प्रभावित क्षेत्रों में फंसे भारतीयों की स्वदेश वापसी का सिलसिला तेज हो गया है। इसी क्रम में उत्तम नगर निवासी रौनक दहिया बृहस्पतिवार की भोर में दुबई से दिल्ली लौट आए। रौनक 24 फरवरी को अपनी पत्नी के साथ हनीमून पर दुबई गए थे। उन्होंने बताया कि 28 फरवरी तक वहां हालात सामान्य थे, लेकिन इसके बाद स्थिति अचानक बदल गई। क्षेत्र में ड्रोन हमलों की खबरें आने लगीं। अधिकांश ड्रोन को आकाश में ही मार गिराया जा रहा था, हालांकि कुछ इमारतों पर भी गिरने की घटनाएं हुईं। आसपास की इमारतों में धमाकों की आवाजें सुनाई देती थीं, जिससे लोगों में दहशत का माहौल बन गया। रौनक के अनुसार, इन परिस्थितियों में कई रातें भय और अनिश्चितता के बीच गुजारनी पड़ीं। स्वदेश लौटने के बाद उनके परिवार में खुशी की लहर दौड़ पड़ी। उन्होंने बताया कि वहां के शासन-प्रशासन का रवैया काफी सहयोगात्मक रहा।

केजरीवाल की लाइव स्ट्रीमिंग की मांग खारिज, विधानसभा सचिवालय ने कहा- विशेषाधिकार समिति की कार्यवाही गोपनीय

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा सचिवालय ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की विशेषाधिकार समिति की बैठक का लाइव प्रसारण किए जाने की मांग को खारिज कर दिया है। विधानसभा की ओर से भेजे गए आधिकारिक पत्र में कहा गया है कि समिति की कार्यवाही गोपनीय होती है और नियमों के तहत इसका लाइव प्रसारण संभव नहीं है। विधानसभा सचिवालय की ओर से 5 मार्च 2026 को जारी पत्र में बताया गया कि यह जवाब केजरीवाल द्वारा 3 मार्च 2026 को लिखे गए पत्र के संदर्भ में दिया गया है। उस पत्र में उन्होंने विशेषाधिकार समिति की कार्यवाही की लाइव स्ट्रीमिंग कराने की मांग की थी। सचिवालय ने अपने जवाब में स्पष्ट किया है कि विशेषाधिकार समिति की बैठकों की कार्यवाही गोपनीय होती है और प्रक्रिया संबंधी नियम इसके लाइव प्रसारण की अनुमति नहीं देते। पत्र में यह भी कहा गया है कि संसद या किसी अन्य राज्य की विधानसभा में भी विशेषाधिकार समिति की बैठकों का प्रसारण किए जाने का कोई उदाहरण नहीं मिलता। विधानसभा सचिवालय की ओर से यह भी कहा गया कि समिति के अध्यक्ष ने इस बात पर आश्चर्य व्यक्त किया है कि अरविंद केजरीवाल दस वर्षों से अधिक समय तक इस सदन के सदस्य रहे हैं, इसके बावजूद उन्हें इस प्रक्रिया की जानकारी नहीं होना हैरानी का विषय है।

डिजिटल पुलिसिंग में दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच को बड़ी उपलब्धि, आईएसओ सर्टिफिकेशन प्राप्त

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस को टेक्नोलाजी आधारित पुलिसिंग में बड़ा सम्मान मिला है। दिल्ली पुलिस, क्राइम ब्रांच के स्टेट क्राइम रिकार्ड्स ब्यूरो (एससीआरबी) को डिजिटल क्राइम रिकार्ड्स के बेहतर मैनेजमेंट और नागरिकों को दी जा रही आनलाइन सेवाओं के लिए आइएसओ मैनेजमेंट सिस्टम (क्यूएमएस) सर्टिफिकेशन प्रदान किया गया है। यह सर्टिफिकेशन भारत सरकार के ब्यूरो आफ इंडियन स्टैंडर्ड्स (बीआइएस) ने दिया है, जो किसी संस्था की कार्यप्रणाली, पारदर्शिता और गुणवत्ता मानकों की पुष्टि करता है। विशेष आयुक्त, क्राइम ब्रांच, देवेश चंद्र श्रीवास्तव का कहना है यह सर्टिफिकेशन एससीआरबी की उस प्रणाली को मान्यता देता है, जिसके जरिए डिजिटल क्राइम डाटा को व्यवस्थित तरीके से संभाला जा रहा है और नागरिकों को आनलाइन पुलिस सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही है। इसके तहत ई-एफआइआर (वाहन

चोरी व अन्य चोरी), ई-एनसीआर, जीरो साइबर एफआइआर और गायब हो जाने से संबंधी सामानों के आनलाइन रजिस्ट्रेशन और प्रोसेसिंग की जा रही है। इन सभी सेवाओं को सीसीटीएनएस (क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम) प्लेटफार्म के साथ जोड़ा गया है। इससे डाटा का बेहतर इंटीग्रेशन, निगरानी और रिकार्ड्स का सुचारू रूप से प्रबंधन सुनिश्चित हो रहा है। यह उपलब्धि क्राइम ब्रांच की एससीआरबी टीम के लगातार प्रयासों और टेक्नोलाजी आधारित कामकाज का नतीजा है। टीम ने डिजिटल रिकार्ड्स की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए नियमित मानिटरिंग की, जिलों और पुलिस थानों के साथ रियल टाइम कोआर्डिनेशन स्थापित किया और तकनीकी व प्रक्रियागत चुनौतियों का समय रहते समाधान किया। इसके अलावा पुलिस कर्मियों के लिए समय-समय पर गाइडेंस और क्षमता बढ़ाने से जुड़े कार्यक्रम भी चलाए गए, ताकि डिजिटल सिस्टम को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके और नागरिकों को बेहतर सेवाएं मिल सकें। इससे पहले क्राइम ब्रांच की मानव तस्करी यूनिट और फिंगरप्रिंट ब्यूरो को भी आइएसओ-क्यूएमएस सर्टिफिकेशन मिल चुका है। मानव तस्करी दस्ता को जनवरी 2025 और फिंगरप्रिंट ब्यूरो को जुलाई 2025 में यह सर्टिफिकेशन प्रदान किया गया था।

अमेरिकी संसद में ट्रंप की ईरान युद्ध नीति पर टकराव

युद्ध रोकने का प्रस्ताव मामूली अंतर से खारिज

वॉशिंगटन, एजेंसी। ईरान के साथ युद्ध ने अमेरिका की राजनीति में बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है और आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर बहस और तेज होने की संभावना है। लेकिन पिछले दो दिनों में दो बार अमेरिकी संसद में इस युद्ध को रोकने के लिए पेश प्रस्ताव वोटिंग के बाद गिर गए हैं। अमेरिका में ट्रंप की ईरान युद्ध नीति पर टकराव तेज होने लगा है। अमेरिका में ईरान के खिलाफ जारी सैन्य अभियान को लेकर राजनीति तेज हो गई है। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान पर हमले रोकने के प्रस्ताव को बहुत कम अंतर से खारिज कर दिया। गुरुवार को हुए मतदान में प्रस्ताव के पक्ष में 212 वोट पड़े, जबकि 219 सांसदों ने इसके खिलाफ मतदान किया। अगर यह प्रस्ताव पास हो जाता, तो ट्रंप प्रशासन को ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई रोकनी पड़ती, जब तक कि कांग्रेस इसकी अनुमति न देती। यह लगातार दूसरा दिन है जब अमेरिकी संसद में ऐसा प्रस्ताव गिरा है। इससे पहले सीनेट में भी इसी तरह का प्रस्ताव 47-53 मतों से खारिज हो चुका है। इस वोटिंग से साफ हो गया कि अमेरिका में ईरान युद्ध को लेकर सांसदों के बीच मतभेद गहरे हैं। कई

सांसदों का कहना है कि संविधान के अनुसार युद्ध का फैसला करने का अधिकार केवल कांग्रेस के पास है, न कि राष्ट्रपति के पास। विदेश मामलों की समिति के वरिष्ठ डेमोक्रेट सांसद ग्रेगरी मीक्स ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप राजा नहीं हैं। अगर उन्हें लगता है कि ईरान से युद्ध अमेरिका के हित में है, तो उन्हें पहले कांग्रेस के सामने आकर इसकी जरूरत साबित करनी चाहिए।

अमेरिका की सत्तारूढ़ रिपब्लिकन पार्टी के अधिकतर सांसद ट्रंप के फैसले का समर्थन कर रहे हैं। उनका कहना है कि ईरान लंबे समय से पश्चिमी देशों के लिए खतरा बना हुआ था और यह सैन्य कार्रवाई उस खतरे को खत्म करने की कोशिश है। रिपब्लिकन सांसद ब्रायन मस्ट ने कहा कि राष्ट्रपति अपने संवैधानिक अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए अमेरिका को तत्काल खतरे से बचाने की कोशिश कर रहे हैं। उनका कहना है कि युद्ध रोकने का प्रस्ताव राष्ट्रपति से कुछ न करने की मांग जैसा था। वहीं डेमोक्रेट पार्टी के कई नेताओं ने ट्रंप के फैसले की आलोचना की है। उनका कहना है कि यह एक चुनाव का युद्ध है, जिसे बिना कांग्रेस की अनुमति के शुरू किया गया। डेमोक्रेट सांसद जेमी रास्किन ने कहा कि संविधान साफ कहता है कि युद्ध का फैसला कांग्रेस करेगी। उनके मुताबिक अमेरिका को इतने बड़े फैसले से पहले व्यापक बहस और पारदर्शिता की जरूरत थी।

ईरान युद्ध के चलते अमेरिका में चिंता भी बढ़ रही है। कुवैत में ईरानी ड्रोन हमले में 6 अमेरिकी सैनिकों की मौतहो चुकी है। इसके अलावा मध्य पूर्व में रह रहे हजारों अमेरिकी नागरिक वहां से निकलने की कोशिश कर रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने भी स्वीकार किया है कि इस युद्ध में आगे और अमेरिकी सैनिकों की जान जा सकती है।

अमेरिका में बड़ा प्रशासनिक बदलाव: नोएम कैबिनेट से बाहर, मार्कवेने मुलिन को मिलेगी होमलैंड सिक्योरिटी की कमान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का ध्यान भले ही इन दिनों पश्चिम एशिया में केंद्रित है, लेकिन देश में हो अहम घटनाक्रम पर भी उनकी नजर बनी हुई है। बता दें कि, ट्रंप ने होमलैंड सिक्योरिटी विभाग की प्रमुख क्रिस्टी नोएम को उनके पद हटाने का फैसला किया है। जानें क्या है मामला और ट्रंप ये बदलाव क्यों कर रहे हैं... अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी सरकार में बड़ा बदलाव करते हुए होमलैंड सिक्योरिटी विभाग की प्रमुख क्रिस्टी नोएम को पद से हटाने का फैसला किया है। ट्रंप ने घोषणा की है कि उनकी जगह ओक्लाहोमा से रिपब्लिकन सीनेटर मार्कवेन मुलिन को इस पद के लिए नामित किया जाएगा। ट्रंप ने यह जानकारी गुरुवार को सोशल मीडिया के जरिए दी। राष्ट्रपति ट्रंप का यह फैसला उस समय आया है जब नोएम को हाल ही में अमेरिकी संसद में कड़ी पूछताछ का सामना करना पड़ा था। कांग्रेस की सुनवाई के दौरान रिपब्लिकन और डेमोक्रेट- दोनों दलों के सांसदों ने उनसे कई सवाल किए थे, खासकर अमेरिका की सख्त आव्रजन नीति और सीमा सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर। इन नीतियों को लेकर देश में कई जगह विरोध प्रदर्शन भी हुए और कई कानूनी चुनौतियां भी सामने आईं। हालांकि राष्ट्रपति ट्रंप ने नोएम को पूरी तरह सरकार से बाहर नहीं किया है। उन्होंने कहा है कि नोएम को एक नई जिम्मेदारी दी जाएगी। उन्हें शील्ड ऑफ द अमेरिका नाम की नई सुरक्षा पहल के लिए विशेष दूत बनाया जाएगा। ट्रंप के अनुसार यह पहल पश्चिमी गोलार्ध यानी अमेरिका महाद्वीप के देशों के बीच सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने पर केंद्रित होगी। इसके साथ ही क्रिस्टी नोएम ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में कैबिनेट छोड़ने वाली पहली मंत्री बन गई हैं। उनका कार्यकाल काफी विवादों और चुनौतियों से भरा रहा, खासकर सीमा सुरक्षा और अवैध आव्रजन के मुद्दों को लेकर।

ट्रंप के व्हाइट हाउस बॉलरूम प्रोजेक्ट का भारी विरोध

समीक्षा समिति पर फूटा जनता का गुस्सा

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्हाइट हाउस में बॉलरूम बनाने के प्लान पर जमकर हंगामा हुआ। इस प्रोजेक्ट का रिव्यू करने वाले एक सरकारी पैनल (नेशनल कैपिटल प्लानिंग कमीशन) को गुरुवार को जनता के विरोध का सामना करना पडा। मीटिंग में शामिल होने वाले लगभग सभी लोगों ने इस प्रोजेक्ट की आलोचना की और इसे बहुत बढ़ा और बेकार बताया। मार्च की इस मीटिंग में पहले दो घंटों के दौरान 28 लोगों ने अपनी बात रखी। इनमें से सिर्फ एक व्यक्ति ने प्रोजेक्ट का समर्थन किया, जबकि बाकी सब इसके खिलाफ थे। एक आम नागरिक काई रोवन ने इसे भद्दा और जरूरत से ज्यादा बढ़ा बताया। इलिनोइस की पूर्व मेयर डायने मार्लिन ने कमीशन से अपील की कि वे इस पर फिर से विचार करें। उन्होंने कहा कि इसे सही करने के लिए और समय लेना चाहिए। यह पैसा अमीर लोगों और बड़ी कंपनियों से दान के रूप में लिया जाए। इसी बात पर सबसे ज्यादा विवाद है। भ्रष्टाचार विरोधी संस्था कॉमन कॉज की एबिगेल बेलोज ने सवाल उठाया कि ये डोनर्स लाखों डॉलर बिना किसी फायदे के क्यों देंगे? उन्होंने आशंका जताई कि इसके बदले में डोनर्स सरकार से कुछ उम्मीद रख सकते हैं।

पश्चिम एशिया युद्ध- बढ़ते हमलों के बीच देवदूत बनीं भारतीय नर्सें

कुवैत, एजेंसी। पश्चिम एशिया के संघर्ष के बीच भी भारतीय नर्सों का समर्पण अडिग है। अल जाहरा के 53एष्ट तापमान वाले इलाके में जैसमीन थॉमस और साथी नर्सें धमाकों और मिसाइलों के बीच क्लिनिक में मरीजों की देखभाल करती रहीं। खतरे और कर्तव्य के बीच संतुलन बनाते हुए उन्होंने साहस और जिम्मेदारी की मिसाल पेश की, जो भारतीय नर्सों की अलग पहचान बनाती है। पश्चिम एशिया में ज्यादातर देशों में संघर्ष का साया छाया हुआ लेकिन ऐसे समय में भी भारतीय नर्सों की सेवा और समर्पण में कोई कमी नहीं आई है। इनका काम राजनीतिक या सैन्य तनाव के बावजूद हमेशा की तरह बदस्तूर जारी है। 1990 के दशक का कुवैत युद्ध हो, 2003 का इराक युद्ध, सीरिया या मिस्र के गृह युद्ध

या पश्चिम एशिया में जारी मौजूदा संघर्ष, भारतीय नर्सें हमेशा देवदूत बनकर अपना कर्तव्य निभाती रही हैं। इस जगह को धरती पर सबसे गर्म जगहों में एक माना जाता है और यहां का तापमान 53 डिग्री सेल्सियस से भी अधिक हो जाता है। केरल की एक नर्स जैसमीन थॉमस (बदला हुआ नाम) अपने भारतीय साथियों के साथ अल जाहरा के एक छोटे से क्लिनिक में आम दिनों की तरह काम कर रही थी। कुछ ही घंटों बाद क्लिनिक के ऊपर आसमान में मिसाइलें और ड्रोन उड़ते नजर आने लगे। देखते-देखते रुक-रुक कर धमाके होने लगे। धमाकों की तीव्रता बढ़ने पर जैसमीन और उनके साथी भागकर अपने हॉस्टल में शरण लेते हैं। हॉस्टल में वे सब हालात के सामान्य होने का इंतजार करते रहे। कर्तव्य और अपनी सुरक्षा के बीच संतुलन बनाने की मशक्कत करते हुए जैसमीन और उनके साथी सोमवार को फिर से अपने काम पर लौट आएं लेकिन इस बार क्लिनिक में वे सब थे लेकिन मरीज नहीं। यह घटना भारतीय नर्सों के साहस, धैर्य और जिम्मेदारी को दिखाता है। ये ऐसी विशेषता है जो इस क्षेत्र में काम करने वाली भारतीय नर्सों को अन्य लोगों से अलग पहचान दिलाती है। अमीरात में कार्यरत एक भारतीय स्वास्थ्यकर्मी ने कहा कि हमें बीच-बीच में चेतावनी सायरन सुनाई देते हैं लेकिन इसके अलावा अभी कोई खतरा महसूस नहीं हुआ है। अस्पताल सामान्य तरीके से काम कर रहे हैं। सरकार हमलों को रोक रही है। कुवैत में कार्यरत एक नर्स ने भी यही बात कही और कहा कि अभी भारतीय प्रवासियों के लिए चिंता की कोई वजह नहीं है। कई लोगों के लिए, मैसेज एक जैसा है। सऊदी अरब में कार्यरत एक अन्य नर्स ने कहा कि हम पूरी तरह से सुरक्षित हैं। मीडिया के कुछ हिस्सों में जैसा दिखाया जा रहा है, उसके उलट। ड्रोन हमले हो रहे हैं, लेकिन देश अपना बचाव कर रहा है और हमारी सुरक्षा सुनिश्चित कर रहा है। एक अनुमान के मुताबिक, इस इलाके में 4,00,000 से 5,00,000 भारतीय नर्सें काम कर रही हैं। गैर-निवासी केरलवासियों की शिकायतों के समाधान के लिए राज्य की नोडल एजेंसी एनओआरकेए रूट्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अजीत कोलासेरी ने बताया कि सरकार को राज्य की एक नर्स के जंग प्रभावित ईरान में फंसे होने की सूचना मिली थी।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित,
मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com